दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जीवन में सबसे बड़ी ताकत ज्ञान या धन नहीं, बल्कि सही समय पर लिया गया सही निर्णय होता है। जो व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार विवेकपूर्ण निर्णय लेना सीख लेता है, वह कठिन से कठिन राह को भी सफलता की मंज़िल में बदल देता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-108 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 13 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

आज का पसीना, कल की मुस्कान

समय जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। यह एक ऐसी धारा है जो निरंतर बहती रहती है और किसी के लिए भी ठहरती नहीं। जिसने समय की कीमत को समझ लिया, वह जीवन की दौड़ में आगे निकल जाता है, और जिसने इसे हल्के में लिया, वह अक्सर पछतावे के साथ पीछे रह जाता है। विशेष रूप से विद्यार्थी जीवन, युवावस्था और करियर की शुरुआत का समय मनुष्य के जीवन का 'स्वर्ण काल' माना जाता है। यही वह दौर होता है जब व्यक्ति के शरीर में ऊर्जा, मन में उत्साह और दिमाग में नए सपनों की उड़ान होती है। यदि इस समय का सही उपयोग किया जाए तो यही परिश्रम आगे चलकर जीवन की सफलता की मजबूत नींव बन जाता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

विद्यार्थी जीवन केवल किताबें पढ़ने या परीक्षाएं पास करने का नाम नहीं है, बल्कि यह वह समय होता है जब व्यक्ति अपने व्यक्तित्व, सोच और जीवन के लक्ष्य को आकार देता है। इस समय किया गया संघर्ष और अनुशासन व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करता है। जो विद्यार्थी अपने समय को पढ़ाई, कौशल विकास और सकारात्मक गतिविधियों में लगाते हैं, वे धीरे-धीरे सफलता की सीढ़ियां चढ़ते जाते हैं। इसके विपरीत जो लोग इस समय को आलस्य, लापरवाही और समय की बर्बादी में गंवा देते हैं, वे बाद में अक्सर यह कहते हुए नजर आते हैं कि 'काश हमने उस समय मेहनत की होती।' युवावस्था में व्यक्ति के पास ऊर्जा की कोई कमी नहीं होती। यही वह समय है जब बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए कठिन परिश्रम करने का साहस होता है। लेकिन आधुनिक समय में एक बड़ी समस्या यह देखने को मिल रही है कि युवा वर्ग का एक हिस्सा त्वरित सफलता या शॉर्टकट की तलाश में रहता है। सोशल मीडिया की चमक-दमक और दूसरों की सफलता की झलक देखकर कई लोग यह मान लेते हैं कि सफलता बिना संघर्ष के भी मिल सकती है। जबकि वास्तविकता यह है कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। हर बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों की मेहनत, त्याग और धैर्य छिपा होता है। आज यदि कोई विद्यार्थी या युवा अपने समय का सही उपयोग करते हुए कठिन परिश्रम करता है, तो वही मेहनत भविष्य में उसे स्थिरता, सम्मान और आत्मसंतोष प्रदान करती है। जीवन की यह सच्चाई है कि आज बहाया गया पसीना ही कल की मुस्कान बनता है। जिस व्यक्ति ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्षों में अनुशासन और मेहनत को अपनाया, वह आगे चलकर अपेक्षाकृत शांत और संतुलित जीवन जीता है। वहीं जो लोग इस समय को व्यर्थ गंवा देते हैं, वे बाद में परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अक्सर यह महसूस करते हैं कि समय हाथ से निकल चुका है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि दुनिया के अधिकांश सफल लोगों ने अपने जीवन के प्रारंभिक वर्षों में कड़ी मेहनत की है। चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो, साहित्य, खेल या समाज सेवा–हर क्षेत्र में सफलता उन्हीं लोगों को मिली है जिन्होंने अपने स्वर्णिम समय का सदुपयोग किया। उन्होंने कठिनाइयों से घबराने के बजाय उन्हें अपने विकास का माध्यम बनाया।

इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि युवा केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि सही दिशा में मेहनत करें। लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। समय का प्रबंधन, अनुशासन और सकारात्मक सोच इस यात्रा के महत्वपूर्ण आधार हैं। यदि व्यक्ति इन गुणों को अपने जीवन में शामिल कर लेता है, तो सफलता की राह स्वयं ही बनती चली जाती है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में यह और भी आवश्यक हो गया है कि युवा वर्ग अपने समय और ऊर्जा का सदुपयोग करे। केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल, अनुभव और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति भी उतनी ही जरूरी है। जो युवा अपने भीतर सीखने की ललक और मेहनत की आदत विकसित कर लेते हैं, वे जीवन की हर चुनौती का सामना करने में सक्षम हो जाते हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि जीवन का हर पल महत्वपूर्ण है, लेकिन विद्यार्थी जीवन और युवावस्था का समय विशेष रूप से निर्णायक होता है। यदि इस समय को मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ जिया जाए, तो भविष्य स्वयं ही उज्ज्वल बन जाता है। इसलिए हर युवा को यह याद रखना चाहिए कि समय कभी रुकता नहीं और अवसर हमेशा इंतजार नहीं करते। आज का पसीना ही कल की मुस्कान बनता है। यदि हम आज खुद को तपाने के लिए तैयार हैं, तो निश्चित रूप से कल दुनिया हमें चमकते हुए देखेगी। यही जीवन का सच्चा सूत्र है–मेहनत आज, सफलता कल।

रिटायर्ड IAS ने 150 की दवाई ली,मैसेज 8-हजार का आया

मुफ्त इलाज योजना में अलर्ट सिस्टम से पकड़ रहे फर्जीवाड़ा, अब ओटीपी जरूरी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (RGHS) में अब 'मैसेज अलर्ट सिस्टम' के जरिए करोड़ों का फर्जीवाड़ा रोका जा रहा है। RGHS कार्ड धारक का महीनेभर में कितनी दवाई का बिल बना, इसका उसे मैसेज अलर्ट भेजा जा रहा है। एक रिटायर्ड द्धस ने इसी मैसेज अलर्ट से एक फार्मेसी का फर्जीवाड़ा पकड़ लिया। RGHS कार्ड से मुफ्त जांच के लिए भी मोबाइल OTP अनिवार्य कर दिया गया है। वेरिफाई करने के बाद ही जांच करने वाली लैब का बिल मंजूर होगा। 'मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना' में भी इस सिस्टम को लागू किया गया है। मुफ्त में दवा लेने के बाद मरीज को मैसेज भेजा जा रहा है कि उसे कितने रुपए की दवा मुफ्त दी गई है। हेल्थ डिपार्टमेंट का मानना है कि इस सिस्टम से बिना कार्ड धारक की जानकारी के उसके खाते से एक रुपया भी क्लेम करना मुश्किल होगा।

जांच करानी है तो OTP से होगी वेरिफाई

RGHS के तहत जांचें मुफ्त में की जाती हैं। उसके बिल का भुगतान सरकार करती है। अक्सर यह शिकायतें मिल रही थीं कि डॉक्टर की पर्ची में मरीज को लिखी गई जांचों के अलावा भी एक्स्ट्रा जांच का बिल उठाया जा रहा है। इस बारे में मरीज को पता भी नहीं चलता था। अब हेल्थ डिपार्टमेंट हर जांच से पहले OTP की अनिवार्यता लागू करने जा रहा है। किसी भी जांच के लिए कार्ड धारक के मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा। जब तक मरीज वह ओटीपी नहीं देगा, तब तक उसका क्लेम वेरिफाई नहीं होगा। इससे मरीजों को यह जानकारी मिल सकेगी कि उनके नाम पर कौन-कौन सी जांचें पोर्टल पर चढ़ाई गई हैं।

महीने के पहले सप्ताह में पूरा 'हिसाब-किताब'

RGHS में राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को मेडिकल सुविधाएं दी जाती हैं। प्राइवेट अस्पतालों में भी इलाज कराने पर खर्च का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है। लेकिन सिस्टम की कमजोरियों को समझकर कई डॉक्टर्स, अस्पताल संचालक और मेडिकल स्टोर्स ने फर्जी बिल बनाकर सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लगाया था।

अब हर महीने के पहले सप्ताह में कार्ड धारक के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक मैसेज भेजा जाएगा। इस मैसेज में पिछले महीने का पूरा ब्योरा होगा। OPD में डॉक्टर को दिखाने के बाद दवाओं पर खर्च का कितना क्लेम उठा। मेडिकल स्टोर से कुल कितने रुपए की दवाइयां ली गईं। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान कुल कितना खर्च दिखाया गया। इससे कार्ड धारक को तुरंत पता चल जाएगा कि उसके नाम पर कहीं कोई फर्जी क्लेम तो नहीं उठा रहा है। मैसेज में यह भी पता चलेगा कि भर्ती रहने के दौरान कौन सी बीमारी का इलाज किया गया है, ताकि किसी और बीमारी के इलाज का अतिरिक्त खर्च जोड़ने पर कार्डधारक तुरंत शिकायत दर्ज करा सके।

केस स्टडी : रिटायर्ड IAS ने पकड़ी चालाकी, 150 की दवाई ली, मैसेज आया 8 हजार का

एक रिटायर्ड IAS अधिकारी ने डॉक्टर को दिखाने के बाद जनवरी में मेडिकल स्टोर से RGHS योजना के तहत 150 रुपए की दवा खरीदी। महीना खत्म होते ही फरवरी के पहले सप्ताह में मोबाइल पर मैसेज आया कि पिछले महीने आपकी दवाओं का खर्च आठ हजार रुपए आया है।

एक बार तो अधिकारी ने मैसेज इग्नोर कर दिया। लेकिन शक हुआ कि आखिर दवाओं का खर्च 8 हजार रुपए कैसे हुआ? क्योंकि पिछले महीने तो सिर्फ 150 रुपए की ही दवा ली थी। गड़बड़ी लगने पर पूर्व अधिकारी ने आरजीएचएस में संपर्क किया। जब जांच हुई तो सामने आया कि संबंधित मेडिकल स्टोर ने फर्जी बिल बनाए थे। फार्मेसी को योजना से ब्लॉक कर दिया गया है। फार्मेसी से दवाएं लेने पर कार्ड धारक को ओटीपी देना पड़ता है। लेकिन इसी दौरान फार्मेसी संचालक द्वारा फर्जीवाड़ा करते हुए कार्ड होल्डर के अकाउंट में अन्य दवाओं को भी शामिल करते हुए क्लेम पेश कर दिया गया था।

झुंझुनूं में एलपीजी गैस आपूर्ति सामान्य, घबराने की जरूरत नहीं: डीएसओ डॉ. निकिता राठौड़

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले में एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच जिला रसद अधिकारी (डीएसओ) डॉ. निकिता राठौड़ ने स्पष्ट किया है कि जिले में रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की घबराहट में आने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और तेल कंपनियों के बीच लगातार समन्वय बना हुआ है, जिससे जिले में एलपीजी गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।डीएसओ डॉ. राठौड़ ने बताया कि रसद विभाग जिले में गैस आपूर्ति की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सभी गैस एजेंसियों से नियमित रूप से जानकारी ली जा रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर अफवाहों के कारण लोग जरूरत से अधिक सिलेंडर बुक कराने या स्टॉक करने लगे हैं, जिससे अनावश्यक रूप से व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।उन्होंने आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता अनुसार ही गैस सिलेंडर बुक कराएं, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से गैस की उपलब्धता बनी रहे।प्रशासन ने जिले की सभी गैस एजेंसियों को भी सख्त निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं पर किसी प्रकार का दबाव न बनाया जाए और होम डिलीवरी की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए। गैस वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीएसओ ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई गैस एजेंसी, वेंडर या अन्य व्यक्ति गैस सिलेंडरों की जमाखोरी करता है, कृत्रिम अभाव पैदा करता है या निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर गैस बेचता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं भी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण या अनियमित वितरण की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रैफल्स विश्वविद्यालय में 10वीं सी. एल. अग्रवाल मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ कल से

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना द्वारा 13 से 15 मार्च 2026 तक रैफल्स लॉ स्कूल में 10वीं सी. एल. अग्रवाल मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित शैक्षणिक आयोजनों में से एक है, जिसमें देशभर के विभिन्न विधि संस्थानों से कुल 24 टीमें भाग लेंगी। इस सन्दर्भ में एक संवाददाता सम्मलेन आयोजित किया गया जिसमें रैफल्स विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रोफ. (डॉ.) आर. एस. सांगवान ने बताया कि इस वर्ष की प्रतियोगिता के लिए तैयार किया गया मूट प्रॉब्लम अत्यंत समकालीन और प्रासंगिक है। यह प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ़ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 पर आधारित है, जो ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े उभरते हुए कानूनी और नियामक चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से संसद द्वारा हाल ही में अधिनियमित किया गया है। यह प्रतियोगिता राजस्थान एजुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य विधि के विद्यार्थियों को काल्पनिक न्यायालयीय कार्यवाही के माध्यम से उनकी वकालत, विधिक अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल को विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में रैफल्स विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. संजय सक्सेना, डॉ. प्रणय कुमार आदित्य, डीन, रैफल्स लॉ स्कूल, प्रतियोगिता के संयोजक मनीष कुमार अत्री, सह-संयोजक आदित्य प्रताप सिंह तथा एसओपीआर की निदेशक डॉ. दीपिका मिश्रा भी उपस्थित रहे और प्रतियोगिता के आयोजन एवं उसके महत्त्व के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की।

कांग्रेस नेताओं ने सड़क पर चूल्हा बनाकर बनाई रोटी:

कच्चे प्याज और मिर्ची के साथ खाई; सिलेंडर को माला पहनाकर दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर में आज कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में कलेक्ट्रेट पर विरोध-प्रदर्शन किया। कांग्रेसी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर चूल्हे पर रोटी बनाई और प्याज व मिर्च के साथ खाया। गैस सिलेंडर को माला पहनाकर सांकेतिक श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका।

प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी ने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। आज गैस सिलेंडर आम आदमी की पहुंच से दूर हो गया है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने महंगाई का विरोध जताया। ईंटो से बने चूल्हे में लकड़ियां जलाकर रोटी बनाई।

जयपुर में 17 मार्च से राजस्थान-रॉयल्स के खिलाड़ी करेंगे अभ्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । इंडियन प्रीमियर लीग-2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स तैयारियां कर रहा है। टीम 17 मार्च से जयपुर में प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप शुरू करेगी। इस कैंप में टीम का पूरा स्क्वाड शामिल होगा। वहीं सीजन के लिए रणनीति, फिटनेस और प्रैक्टिस सेशन पर विशेष फोकस किया जाएगा। रॉयल्स के इस प्रैक्टिस सेशन की घोषणा के साथ ही अब यह संभावना भी बढ़ गई है कि IPL के फेज 2 में राजस्थान रॉयल्स के बाकी मैच जयपुर में होंगे। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने बताया- टीम के खिलाड़ी 17 मार्च को पिंकसिटी में एकत्र होंगे। इसके बाद सवाई मानसिंह स्टेडियम में ट्रेनिंग, फिटनेस और नेट सत्रों के साथ कैंप की शुरुआत होगी। यह कैंप खिलाड़ियों के लिए मैच से पहले तालमेल बैठाने, टीम बॉन्डिंग बढ़ाने और रणनीतिक तैयारियों के लिहाज से काफी अहम होगा।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने पटवारी ट्रेनिंग सेंटर व महिला छात्रावास में चलाया जागरूकता अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर दौसा पुलिस ने एक बार फिर सक्रियता दिखाते हुए जागरूकता की मजबूत पहल की। गुरुवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महिला अपराध अनुसंधान सेल दौसा योगेंद्र फौजदार के निर्देशन में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट दौसा द्वारा पटवारी ट्रेनिंग सेंटर की नई बैच तथा महिला कॉलेज छात्रावास में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं और आमजन को सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों, पुलिस की हेल्पलाइन सेवाओं और आत्म सुरक्षा के उपायों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने छात्राओं को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त करने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा संचालित राजकॉप सिटिजन ऐप बेहद उपयोगी माध्यम है। ऐप के जरिए लोकेशन सहित तुरंत पुलिस तक सूचना पहुंचाई जा सकती है, जिससे समय रहते मदद मिल सके। इसके साथ ही छात्राओं को यातायात नियमों के पालन, सतर्कता बरतने और आत्मरक्षा के मूलभूत उपायों की भी जानकारी दी गई, ताकि वे किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में खुद को सुरक्षित रख सकें। पुलिस अधिकारियों ने महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न अभियानों–महिला डेस्क, ऑपरेशन गरिमा, ऑपरेशन लाडली, सुरक्षा सखी अभियान और ऑपरेशन जागृति–के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इन अभियानों के माध्यम से पुलिस महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम और त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं को पुलिस कंट्रोल रूम का आपातकालीन नंबर 112 भी नोट करवाया गया और बताया गया कि किसी भी संकट की स्थिति में तुरंत इस नंबर पर कॉल कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। जागरूकता कार्यक्रम में बाल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की गई। पुलिस टीम ने छात्राओं को चाइल्ड हेल्पलाइन, गुड टच-बैड टच की समझ और पॉक्सो एक्ट के कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से अवगत कराया, ताकि बालिकाएं किसी भी प्रकार के शोषण या अनुचित व्यवहार की पहचान कर सकें और समय रहते शिकायत दर्ज करा सकें। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या परेशानी की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। दौसा पुलिस का कहना है कि महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि आमजन विशेषकर युवतियां अपने कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों और हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक होकर आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ सकें।

अगर आप मक्खियों, मच्छरों और कॉकरोच जैसे कीड़ों से हैं परेशान, तो बस इस एक चीज का करें इस्तेमाल

अपने घर और किचन को साफ रखना बहुत जरूरी होता है. लेकिन आप उन्हें कितना भी साफ रखें, मक्खियां, कॉकरोच, मच्छर और फ्रूट फ्लाई जैसे कीड़े हमेशा अंदर आने का रास्ता ढूंढ ही लेते हैं. ये कीड़े न सिर्फ आपके घर का माहौल खराब करते हैं, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी खतरा पैदा करते हैं. इसलिए, इनसे छुटकारा पाना बहुत जरूरी है. बहुत से लोग इन कीड़ों से छुटकारा पाने के लिए बाजार में मिलने वाले केमिकल प्रोडक्ट्स, जैसे स्प्रे और कीटनाशक का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन, ये छोटे बच्चों और पालतू जानवरों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं.

लेकिन अच्छी खबर यह है कि इन कीड़ों से छुटकारा पाने के कुछ नेचुरल तरीके हैं. कपूर इसमें आपकी मदद कर सकता है. कपूर, जिसका इस्तेमाल अक्सर धार्मिक कामों में होता है. फ्रूट फ्लाई, मच्छर, कॉकरोच और दूसरे कीड़ों को भगाने में फायदेमंद होता है. पॉपुलर कंटेंट क्रिएटर चटोरी चेतना ने कपूर से जुड़े कुछ घरेलू नुस्खे शेयर किए हैं. उन्होंने ये टिप्स अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए हैं.

कपूर के पत्तों को लपेटकर उन जगहों पर रखें जहां कीड़े अक्सर पाए जाते हैं

किचन में कॉकरोच एक आम समस्या है. अक्सर आपने कॉकरोच को कभी सिंक के आसपास घूमते तो कभी पाइप के छेद में जाते देखा होगा. वहीं, जब आप किचन में जाते हैं तो भी कॉकरोच इधर-उधर भागते हुए दिखाई देते होंगे. इतना ही नहीं, ये कॉकरोच आपकी सेहत के लिए भी खतरनाक होते हैं और बहुत परेशानी पैदा करते हैं. किचन की अलमारियां और दराज कॉकरोच के छिपने की आम जगहें होती हैं.

हालांकि, कपूर इन्हें भगाने में असरदार होता है. इसे इस्तेमाल करने के लिए, कपूर की कुछ गोलियां लें. उन्हें टिश्यू पेपर या पतले कपड़े में लपेटकर छोटी-छोटी पोटलियां बना लें, और इन पोटलियों को किचन की अलमारियों और दराजों में रख दें. इससे कॉकरोच और दूसरे कीड़े भाग जाएंगे, और वे आपके घर वापस नहीं आएंगे. कपूर की तेज गंध इन कीड़ों को आपके किचन से दूर रखेगी.

फ्रूट फ्लाइज (मक्खियां) से कैसे छुटकारा पाएं

हम अक्सर अपने घरों में फलों के आस-पास मक्खियां देखते हैं. इन्हें फ्रूट फ्लाई कहते हैं. ये फलों पर बैठती हैं, जिससे फल फफूंदी और बैक्टीरिया के लिए ब्रीडिंग ग्राउंड बन जाते हैं. इसलिए, आपको फ्रूट फ्लाई से छुटकारा पाना चाहिए. आप कपूर का इस्तेमाल करके उन्हें दूर रख सकते हैं. इसके लिए, कपूर की दो गोलियां लें, उन्हें जलाएं, और फिर उन्हें फलों के चारों ओर घुमाएं. यह तरीका सभी फ्रूट फ्लाई को भगा देगा और आपके फलों को साफ रखेगा.

मक्खियां और मच्छर घर से भाग जाते हैं

यह उपाय न सिर्फ फ्रूट फ्लाई बल्कि आम घरेलू मक्खियों और मच्छरों के खिलाफ भी असरदार है. कपूर की टिकिया लें और उसका धुआं उन जगहों पर फैलाएं जहां मच्छर और मक्खियां हों. कपूर की तेज गंध मच्छरों और मक्खियों को घर से बाहर भगा देगी. यह उपाय मक्खियों और मच्छरों को काफी हद तक दूर रखता है. कपूर जलाने से घर में अच्छी खुशबू भी आती है.

कपूर का प्रयोग इस प्रकार भी किया जा सकता है...

कपूर और पानी के मिश्रण से मच्छरों को आसानी से भगाया जा सकता है. मच्छरों को भगाने के लिए, पानी में कपूर के दो टुकड़े मिला लें. अब इस घोल को एक स्प्रे बोतल में भरें और इसे कोनों में, बिस्तर के पास, खिड़कियों और दरवाजों के आसपास अच्छी तरह से स्प्रे करें. ऐसा करने से मच्छर आपके घर से दूर रहेंगे.

आप कपूर और नीम के तेल से दीपक जला सकते हैं. इसे जलाने के लिए, दीपक में नीम का तेल डालें और कपूर का एक टुकड़ा डालें. अब दीपक में बाती डालें और उसे जलाएं. आप इस दीपक को खिड़कियों और दरवाजे के पास रख सकते हैं. इससे मच्छर और मक्खियां घर में घुसने की हिम्मत नहीं करेंगी.

आम तौर पर हम घर की सफाई के लिए पानी में पेन ऑयल या रासायनिक तरल पदार्थ मिलाकर इस्तेमाल करते हैं. लेकिन इनके बजाय कपूर का इस्तेमाल करना बेहतर है. कपूर में कोई केमिकल नहीं होता है. इसके लिए कपूर की पत्तियों को अच्छी तरह पीसकर बारीक कर लें.

अब घर की सफाई के लिए इस्तेमाल किए गए पानी में कपूर पाउडर मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करें. अब उस पानी से पूरे घर की सफाई करें. किचन काउंटर और किचन की भी सफाई करें. ऐसा करने से मक्खियां और कीड़े घर में नहीं घुसेंगे. साथ ही, घर खुशबू से भर जाएगा.

फ्रिज का यह 'सीक्रेट बटन' दबाने से आपका बिजली का बिल हो जाएगा कम

रेफ्रिजरेटर या फ्रिज, किचन का एक अप्लायंस है जो लगभग हर मौसम में इस्तेमाल होता है. चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बारिश, लोग फल, सब्जियां और खाना ताजा रखने के लिए रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल करते हैं. रेफ्रिजरेटर एक ऐसा डिवाइस है जो लगातार, 24/7 चलता रहता है. यह इसे हमारे घरों में सबसे ज्यादा एनर्जी कंज्यूमर में से एक बनाता है, जो आमतौर पर घर की कुल बिजली का लगभग 8 फीसदी से 13 फीसदी कंज्यूम करता है. इसका कंप्रेसर कूलिंग बनाए रखने के लिए लगातार चलता रहता है, जिससे यह बिजली का एक बड़ा यूजर बन जाता है. लेकिन, बहुत से लोग यह नहीं जानते कि अपने रेफ्रिजरेटर के अंदर ही छोटा सा एडजस्टमेंट करके, वे फूड स्टोर करने से समझौता किए बिना अपने बिजली के बिल को काफी कम कर सकते हैं.

इस आसान एडजस्टमेंट से एनर्जी की खपत कम हो सकती है

रेफ्रिजरेटर में एडजस्टेबल टेम्परेचर सेटिंग होती हैं, जो मॉडल के हिसाब से आम तौर पर 1 से 5 या 1 से 6 तक होती हैं. गर्मियों के महीनों में, टेम्परेचर अक्सर सबसे ऊंचे लेवल पर या उसके आस-पास सेट किया जाता है. हालांकि, सर्दियों में, यूजर कूलिंग लेवल कम कर सकते हैं, जिससे खाने को बचाने पर असर डाले बिना एनर्जी की खपत कम हो जाती है.

उदाहरण के लिए, आप मौसम के हिसाब से रेफ्रिजरेटर की टेम्परेचर सेटिंग को 1-5 या 1-6 पर एडजस्ट करके एनर्जी की खपत कम कर सकते हैं. गर्मियों में, ज्यादा टेम्परेचर (4 या 5) का इस्तेमाल करें, जबकि सर्दियों में, कम कूलिंग (1,2 या 3) काफी होती है, जिससे खाना ताजा रहता है और बिजली की खपत कम होती है. सबसे अच्छा टेम्परेचर 1.7-3.3सेल्सियस (35 फारेनहाइट - 38 फारेनहाइट) के बीच होना चाहिए.

लेवल 1 पर, रेफ्रिजरेटर का टेम्परेचर आम तौर पर 2-5सेल्सियस के बीच होता है, जो कम एनर्जी इस्तेमाल करते हुए खाने को ताजा रखने के लिए काफी है. यही एडजस्टमेंट फ्रीजर कम्पार्टमेंट में भी किया जा सकता है, जिससे एनर्जी का इस्तेमाल कम होता है और खाना सुरक्षित रहता है. यह छोटा सा बदलाव करके, घर खाने के स्टोरेज से समझौता किए बिना अपने बिजली के बिल को काफी कम कर सकते हैं.

इसके अलावा, एडजस्टेबल टेम्परेचर सेटिंग्स के ठीक नीचे एक डीफ्रॉस्ट बटन होता है. अगर रेफ्रिजरेटर के फ्रिजर में बर्फ का पहाड़ जमा हो गया है, तो यह बटन दबाएं. इससे कंप्रेसर बंद हो जाता है, हीटिंग चालू हो जाती है और बर्फ पिघल जाती है. इससे कंप्रेसर का स्ट्रेस कम होता है, जिससे बिजली की खपत काफ़ी कम हो जाती है, जिससे आपके बिल में बचत होती है.

खाना स्टोर करने की जरूरत के हिसाब से टेम्परेचर एडजस्ट करें

मौसम में बदलाव के अलावा, रेफ्रिजरेटर का कूलिंग लेवल भी स्टोर किए गए खाने की मात्रा के हिसाब से एडजस्ट किया जाना चाहिए, जैसे कि...

अगर रेफ्रिजरेटर भरा नहीं है, तो बेवजह बिजली की खपत से बचने के लिए कूलिंग लेवल कम कर दें

अगर ज्यादा खाना स्टोर कर रहे हैं, तो कूलिंग लेवल बढ़ाने से खाना ठीक से सुरक्षित रहता है.

फ्रीजर कम्पार्टमेंट के लिए, अगर सीफूड जैसा बहुत सारा फ्रेश खाना स्टोर कर रहे हैं, तो लगभग -18एष्ट पर ज्यादा कूलिंग लेवल बनाए रखना सबसे अच्छा है. यह तापमान बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है और खाने को ज्यादा समय तक फ्रेश रखता है.

अपने रेफ्रिजरेटर से एनर्जी बचाने के इन टिप्स भी फॉलो करें

टेम्परेचर एडजस्ट करने के अलावा, एक्सपर्ट्स एनर्जी बचाने की ये आदतें अपनाने की सलाह देते हैं...

रेफ्रिजरेटर को सही जगह पर रखें

रेफ्रिजरेटर पीछे या किनारों से गर्मी छोड़ते हैं. अगर गर्मी निकलने में रुकावट आती है, तो एनर्जी की खपत बढ़ जाती है.

रेफ्रिजरेटर को दीवारों या दूसरी चीजों से ठीक दूरी पर रखें ताकि हवा का सही फ्लो हो सके.

रेफ्रिजरेटर को माइक्रोवेव, ओवन या स्टोव जैसे हीट सोर्स के पास रखने से बचें. आस-पास बहुत ज्यादा गर्मी होने पर रेफ्रिजरेटर को ज्यादा काम करना पड़ता है, जिससे एनर्जी का इस्तेमाल बढ़ता है और उसकी लाइफ कम होती है.

दरवाजा बहुत देर तक खुला न रखें

दरवाजा ज्यादा देर तक खुला रखने से ठंडी हवा बाहर निकलती है, जिससे कंप्रेसर को टेम्परेचर ठीक करने के लिए अदिक मेहनत करनी पड़ती है. इससे एनर्जी की खपत काफी बढ़ जाती है. इस्तेमाल के बाद हमेशा दरवाजा जल्दी से बंद कर दें.

खाना कांच या सिरेमिक कंटेनर में रखें- कांच और सिरेमिक कंटेनर प्लास्टिक के कंटेनर की तुलना में ठंडी हवा को ज्यादा अच्छे से रोकते और बांटते हैं. सही तरीके से रखने से हवा का सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे रेफ्रिजरेटर को अपना सामान ठंडा करने में कम समय लगता है.

रेफ्रिजरेटर की रेगुलर सफाई और मेंटेनेंस करें- हर 1-3 महीने में रेफ्रिजरेटर की सफाई करने से धूल और गंदगी कूलिंग वेंट में नहीं फंसती. गंदे वेंट कंप्रेसर को ज्यादा काम करने पर मजबूर करते हैं, जिससे ज्यादा बिजली खर्च होती है. रेगुलर मेंटेनेंस से सबसे अच्छा परफॉर्मेंस मिलता है और एनर्जी की बर्बादी कम होती है.

बार- बार सूज रही है आंखें? तो ये है थायरॉइड का पहला संकेत

अगर आपकी आंखें अक्सर सूजी हुई रहती हैं, पलकें फूली हुई दिखती हैं या आंखों में लालिमा बनी रहती है, तो इसे सिर्फ थकान या नींद की कमी समझकर नजरअंदाज न करें। आंखों के डॉक्टर) के अनुसार, ये लक्षण थायरॉइड की गड़बड़ी का शुरुआती संकेत हो सकते हैं। समय पर पहचान और इलाज से आंखों को होने वाले गंभीर नुकसान से बचाया जा सकता है।

आंखों से कैसे पता चलता है थायरॉइड की समस्या

थायरॉइड ग्लैंड जब ज्यादा या कम हार्मोन बनाने लगती है, तो इसका असर सीधे आंखों पर पड़ता है। खासकर हाइपरथायरॉइडिज्म में आंखों से जुड़े लक्षण सबसे पहले दिख सकते हैं।

थायरॉइड से जुड़ी आंखों की शुरुआती चेतावनियां

पफी आईज (आंखों के नीचे सूजन) :

सुबह उठते ही आंखों के नीचे सूजन, दिनभर भारीपन महसूस होना, नमक कम करने के बाद भी सूजन बनी रहना। यह आंखों के आसपास टिश्यू में सूजन के कारण होता है।

पलकों का सूजना :

ऊपरी या निचली पलक मोटी लगना, आंखें पूरी तरह न खुल पाना मेकअप लगाते समय भारीपन महसूस होना भी चेतावनी का संकेत है।

आंखों में लालिमा और जलन :

बिना किसी इंफेक्शन के आंखें लाल रहना, जलन, चुभन या

सूखापन। अगर आंखों में बार-बार पानी आता है तो इसे हल्के में ना लें।

आंखों का उभर आना :

आंखें बाहर की ओर निकली हुई लगना, पलकों का पूरी तरह बंद न हो पाना देखने में बदलाव

थायरॉइड की समस्या में आंखें के प्रभावित होने का कारण

थायरॉइड हार्मोन का असंतुलन, आंखों के आसपास की मांसपेशियों और फैट में सूजन इम्यून सिस्टम की गड़बड़ी के कारण आंखें प्रभावित होती हैं। अगर आंखों के साथअचानक वजन घटना या बढ़ना, दिल की धड़कन तेज होना, बहुत ज्यादा थकान, बाल झड़ना, गर्मी या ठंड ज्यादा लगती है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इसके लिए टीएसएच, टी3, टी4टेस्ट करवाना जरूरी है।

इलाज और देखभाल

- थायरॉइड को कंट्रोल में रखना सबसे जरूरी
- आंखों के लिए लुब्रिकेटिंग ड्रॉप्स का इस्तेमाल करें
- नमक कम खाएं

धूम्रपान से दूरी बनाएं

- एंडोक्राइनोलॉजिस्ट और आई स्पेशलिस्ट दोनों से सलाह

सफाई का जुगाड़! बिना स्टूल-सीढ़ी, इस तरह मिनटों में चमकेगा पंखा

घर की साफ-सफाई कितनी भी कर लीजिए लेकिन फिर भी कही न कही धूल रह जाती है। घर की साफ-सफाई में सबसे बड़ी चुनौती वाला काम है छत के पंखों को साफ करना। खासकर जब वे काफी ऊंचाई पर हो। आजकल सबसे बड़ी परेशानी धूल की है, चाहे कितनी भी सफाई कर लो लेकिन धूल पंखे पर लग ही जाती है। ऐसे में लोग सोचते हैं कि धूल से लदे पंखे को बिना सीढ़ी या स्टूल के कैसे साफ किया जाए। यदि आप भी यही सोचते हैं, तो आप एक वायरल ट्रिक को ट्राई करके अपना काम को आसान कर सकती है। अब आप पोछे की मदद से बिना सीढ़ी-स्टूल के पंखा साफ करने की जुगाड़ कर सकते हैं।

फैन क्लीनर की तैयारी - छत के पंखे की सफाई बिना स्टूल या सीढ़ी पर चढ़े भी आसानी से की जा सकती है। इसके लिए एक पुराना पोछा लें जिसकी डंडी लंबी हो। सबसे पहले पोछे के धागों वाले हिस्से को दो समान भागों में अलग कर लें, ताकि पंखे की पंखुड़ियों को अच्छी तरह पकड़कर साफ किया जा सके। यह उपाय बेहद सरल और सुरक्षित है, खासकर उन घरों के लिए जहां सीढ़ी की सुविधा मौजूद नहीं होती।

रबड़ बैंड का इस्तेमाल

जब पोछे के धागों को दो भागों में अलग कर लें, तो दोनों हिस्सों पर थोड़ा-थोड़ा अंतर रखते हुए मजबूत रबर बैंड कसकर बांध दें। इसके बाद पोछे के दोनों सिरों को भी रबर की सहायता से आपस में जोड़ दें। इस प्रक्रिया से बीच में एक जेब जैसी खाली जगह तैयार हो जाएगी। यही स्थान पंखे की ब्लेड को पकड़कर अच्छी तरह साफ करने में मदद करेगा।

पंखे की ब्लेड फंसाने का तरीका

आपको बल एक लंबी स्टिक को पकड़कर ऊपर की ओर उठाना है और पोछे के बीच बनी उस खाली जगह में पंखे की एक ब्लेड को फंसाना है। क्योंकि पोछा दोनों ही तरफ रबड़ से बंधा हुआ है, यह ब्लेड के ऊपर और नीचे दोनों तरफ एक साथ दबाव बनाएगा, जिससे धूल आसानी से साफ होगी।

सूखी धूल को हटाना

सबसे पहले बिना गीला किए, सूखे पोछे की मदद से ब्लेड पर जमा मोटी धूल की परत को झाड़ लें। पोछे को ब्लेड पर आगे-पीछे घुमाएं। इससे पंखे की सारी सूखी धूल पोछे के धागों में फंस जाएगी और आपके ऊपर या फर्श पर कम गिरेगी। यह स्टेप इसलिए भी है कि बाद में गीली सफाई करते समय कीचड़ न बने।

होममेड क्लीनर से चमकाना

जब पंखे से सूखी धूल हट जाए, तो अगला कदम एक घरेलू क्लीनर तैयार करना है। इसके लिए स्प्रे बोतल में पानी, थोड़ा सा सफेद सिरका और कुछ बूंदें डिश वॉश लिक्विड की मिलाकर घोल बना लें। अब इस मिश्रण को पोछे के धागों पर छिड़कें और पंखे की ब्लेड को बीच में रखकर अच्छी तरह साफ करें। सिरका जमी हुई चिकनाई और पुराने दागों को तेजी से ढीला कर देता है, जिससे सफाई और भी प्रभावी हो जाती है।

आखिरी फिनिशिंग और रखरखाव

जब आपके पंखे के तीनों ब्लेड साफ हो जाए, तो आखिर में पोछे को धोकर सुखा लें। इस तरीके का सबसे बड़ा फायदा है कि बार-बार झुकना या चढ़ना नहीं पड़ता है। पोछे की लंबी स्टिक होने से आप पंखे के हर कोने तक पहुंच सकते हैं।

खांदवा गांव में प्लाट पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में चली लाठियां, दोनों पक्षों की मारपीट में पांच जने हुए घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

बुहाना थाना क्षेत्र के खांदवा गांव में प्लाट पर कब्जे को लेकर गुरुवार को दो पक्षों में झगड़ा हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर लाठियां बरसाई गई। इस दौरान दोनों पक्षों के करीब पांच जने घायल हो गए। मारपीट में घायलों को बुहाना के राजकीय अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। इस संबंध में एक पक्ष की रेखा देवी की ओर थाने में रिपोर्ट दी कि वह अपने प्लाट में सुबह भैंस बांध रही थी। इस दौरान महेंद्र, बलवान, सुरेश, शर्मिला, नीतू, संजू, लीला, पूजा, शारदा प्लाट पर जबरन कब्जा करने की नीयत से हाथों में लाठी-डंडे लेकर आए और उसके ससुर के साथ मारपीट करने लगे। शोर शराबा होने पर उसकी जेठानी सरोज व सास भी मौके पर आई तो उन्होंने उन पर भी लाठियों से हमला कर दिया। इस दौरान मारपीट में वह, जेठानी सरोज, सास व ससुर घायल हो गए। इससे पूर्व बुधवार शाम को ट्रैक्टर से डस्ट प्लाट में डालने का प्रयास किया था। इसके बाद सुबह जान से मारने की नीयत से उन पर हमला कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष की संजू ने बताया कि उन्होंने 2013 में गांव के रामनिवास से 4 लाख 24 हजार 200 रूपए प्लाट खरीदा था। अब वह दुकान बनाने के लिए निर्माण सामग्री डालने गए तो उन्होंने सामान डालने से मना कर दिया तथा उनके खरीदे गए प्लाट कर जबरन कब्जा कर रखा है। जब वह अपने प्लाट पर काम करने के लिए गई तो वहां पहले से मौजूद महावीर, रामनिवास, नरेश, राहुल, अंकित, रेणु, सरोज, पिंकी, चमेली ने उस पर हमला कर दिया। घटना की सूचना पर एएसआई हेमराज पुलिस जाब्ते के मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई। इस दौरान मारपीट में घायलों को बुहाना के राजकीय अस्पताल में लाया गया। दोनों पक्षों की ओर से थाने में मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। मारपीट में चमेली देवी, सरोज, रेणु, महावीर व संजू घायल हो गए हैं। एएसआई हेमराज ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दी गई है, जिस पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हौसलों की उड़ान- वॉकर के सहारे आत्मनिर्भरता और अध्यात्म का अनूठा संगम बनीं उर्मिला झुंझुनवाला

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

जीवन में यदि दृढ़ संकल्प और अटूट विश्वास हो, तो शारीरिक बाधाएं कभी मार्ग का रोड़ा नहीं बन सकतीं। इस बात को चरितार्थ कर दिखाया है 61 वर्षीया उर्मिला झुंझुनवाला ने। मूल रूप से कोलकाता और वर्तमान में पुणे निवासी और रामगढ़ शेखावाटी सीकर की बहू उर्मिला पत्नी विष्णु झुनझुनवाला ने अपनी शारीरिक चुनौतियों को मात देकर न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है, बल्कि आध्यात्मिक जगत में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। धार्मिक एवं अध्ययनशील स्वभाव की धनी उर्मिला राणी सती दादी परिवार से गहराई से जुड़ी हैं। हाल ही में आयोजित 'दादी भागवत प्रश्नोत्तरी परीक्षा' में उन्होंने अपनी मेधा का लोहा मनवाया। देशभर के लगभग 2000 प्रतिभागियों के बीच उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर 10वां स्थान प्राप्त कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उम्र के इस पड़ाव में भी सीखने की ललक ऐसी है कि उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता की विधिवत शिक्षा प्राप्त की। आज वे पूरी गीता का शुद्ध उच्चारण के साथ पाठ करने में सक्षम हैं। उन्होंने गीता परिवार की 'जिज्ञासु परीक्षा' के तहत 12वें, 15वें एवं 16वें अध्याय को पूर्णतः कंठस्थ कर सफलता प्राप्त की है। अपनी इस विद्या को वे समाज तक भी पहुँचा रही हैं; वर्तमान में वे ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से संस्कृत श्लोकों का निःशुल्क शिक्षण दे रही हैं।

बचपन से पैरों में शारीरिक समस्या होने के कारण उर्मिला जी को चलने के लिए वॉकर का सहारा लेना पड़ता है। इसके बावजूद, वे किसी पर बोझ नहीं हैं। वे एक आत्मनिर्भर गृहिणी के रूप में घर के समस्त कार्य स्वयं निपुणता से करती हैं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि भक्ति, शक्ति और कर्म का समन्वय ही जीवन की असली सार्थकता है।

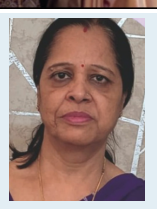

'शारीरिक अक्षमता केवल शरीर तक सीमित होती है, मन और आत्मा तक नहीं। धर्म, संस्कृति और सेवा ही मेरे जीवन का मुख्य उद्देश्य है।'

- उर्मिला झुंझुनवाला

शाहपुरा में शीतला माता कलश यात्रा आज, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं विशाल जागरण भंडारा 14 मार्च को

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत मुख्यालय शाहपुरा स्थित नवनिर्मित शीतला माता मंदिर में 14 मार्च को शीतला माता मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं विशाल भजन संध्या एवं भंडारा होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जनता शाहपुरा के जन सहयोग से 13 मार्च को सामोताकाबास शाहपुरा बस स्टैंड स्थित बालाजी मंदिर से प्रातः 7:30 बजे सुसज्जित महिलाओं के द्वारा मंगल कलश यात्रा बैंड बाजे के साथ निकाली जाएगी। वही शीतला माता की मूर्ति का नगर भ्रमण होगा। जगह-जगह यात्रा का शानदार स्वागत किया जाएगा। 11 विद्वान पंडितों के द्वारा प्रातः 11:15 बजे आवाहित देवताओं की पूजा अर्चना के बाद नवचंडी पाठ शुरू होंगे। 14 मार्च को प्रातः 9:15 बजे शीतला माता मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम ब्रह्मचारी दिगंबरा आश्रम श्रीमाधोपुर के महंत किशन गिरी महाराज के सानिध्य में होगा। दोपहर में कन्या पूजन के बाद विशाल भंडारे की शुरुआत होगी। रात्रि में गायक विरदीचंद गुर्जर एवं श्योपाल शर्मा एंड पार्टी के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति से मां शीतला का दरबार सजाया जाएगा। वही डांसर सीमा चौधरी एवं सानिया पंजाबी तथा लक्ष्मण छैला के द्वारा हास्य कॉमेडी प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम की पूर्व तैयारीयों को लेकर अंतिम रूप दिया गया।

सांसद ओला ने दिए साढ़े आठ लाख रूपए, पॉवर हाउस के सामने बनेगा नया ट्यूबवैल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सांसद बृजेंद्र ओला ने कस्बे के खेतड़ी रोड पॉवर हाउस के सामने के क्षेत्र में रहने वाले लोगों की समस्याओं का समाधान करते हुए एक ट्यूबवैल बनाने के लिए साढ़े आठ लाख रूपए अपने सांसद कोटे से दिए है। नगर युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कपिल भगेरिया व युवा नेता बृजेश पूनियां ने बताया कि इस इलाके का ट्यूबवैल जब से खराब हुआ है। तभी से सांसद ओला नए ट्यूबवैल को बनवाने के लिए प्रयासरत थे। पहले उन्होंने साढ़े छह लाख रूपए की स्वीकृति दे दी थी। लेकिन जलदाय विभाग के नियमों और इसके निर्माण के लिए साढ़े आठ लाख रूपए की जरूरत थी। जब सांसद ओला के सामने इस समस्या को रखा गया। तो उन्होंने तुरंत अपने सांसद कोटे से नई स्वीकृति देते हुए साढ़े आठ लाख रूपए देने का पत्र संबंधित अधिकारियों को भेज दिया है। इस ट्यूबवैल का निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों को इस स्वीकृति की जानकारी मिली तो वे बेवजह अपनी राजनीति चमकाने के लिए तरह–तरह के आरोप और बातें कर रही है। जबकि इस ट्यूबवैल के लिए सांसद ओला ने अपने कोटे से पैसे दिए है। साथ ही वादा किया है कि समस्या समाधान के लिए और भी पैसे की जरूरत होगी। तो वे हर समय तैयार है। क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ओला से मिलकर इसके लिए आभार जताएगा। सरकारी प्रक्रिया पूरी होते ही इस ट्यूबवैल का काम शुरू हो जाएगा।

नवलगढ़: 'उल्लास' नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिंगल प्रचार वाहन रवाना, साक्षरता का अलख जगाएगा ऑटो

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । क्षेत्र में साक्षरता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और 'उल्लास' नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को जन-जन तक पहुँचाने के लिए गुरुवार को एक विशेष पहल की गई। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय (समग्र शिक्षा) से जिंगल प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आत्माराम और एसीबीईओ द्वितीय कुलदीप पूनियां ने संयुक्त रूप से ऑटो रिक्शा (जिंगल वाहन) को रवाना किया। ब्लॉक साक्षरता प्रभारी मुरारीलाल माली ने जानकारी दी कि यह अभियान अगले चार दिनों तक ब्लॉक की विभिन्न ग्राम पंचायतों में चलाया जाएगा। वाहन के माध्यम से ऑडियो संदेशों (जिंगल) द्वारा ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व और नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक निरक्षरों को इस मुहिम से जोड़कर साक्षर बनाया जा सके। शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि इस प्रचार वाहन के जरिए ब्लॉक स्तर पर साक्षरता के प्रति एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाए। कार्यक्रम के दौरान आरपी अशोक कुमार, बीएलसी मुरारीलाल माली, दीनदयाल, दीपक तिवाड़ी, जितेन्द्र कुमार सैनी, रविन्द्र कुमार, विद्याधर, भागचन्द और नथमल सहित विभाग के कई कार्मिक मौजूद रहे। विभाग का मानना है कि इस डिजिटल और ऑडियो प्रचार से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा की अलख जगेगी और लोग स्वयं आगे आकर इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना चबूतरा बना खतरा: जनसुनवाई में हटाने की उठाई मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड स्तरीय जनसुनवाई के दौरान गुरुवार को आमजन ने महवा-मंडावर रोड स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाए गए चबूतरे को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए प्रशासन से इसे तत्काल हटाने की मांग की। एडवोकेट विष्णुसिंह कुशवाहा, विक्रमसिंह गुर्जर, मुकेश गुर्जर, विशाल जाटव, विशाल मुराड़िया, राजूलाल बैरवा और हरिसिंह मीना एडवोकेट सहित अनेक ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम को ज्ञापन सौंपकर बताया कि महवा में बंसल पेट्रोल पंप के पास नगरपालिका महवा द्वारा सड़क के बीचोंबीच चबूतरा बनवा दिया गया है, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग की चौड़ाई काफी कम हो गई है और यातायात व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि यह चबूतरा सड़क पर दोनों ओर करीब पांच-पांच फीट तक फैल गया है, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क संकरी होने के कारण यहां अक्सर यातायात बाधित हो जाता है और आए दिन दुर्घटनाओं की स्थिति बन रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस चबूतरे को नहीं हटाया गया तो भविष्य में बड़ी दुर्घटना होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता और इससे जनहानि तक हो सकती है। जनसुनवाई में ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि इस चबूतरे के निर्माण से पहले नगरपालिका महवा ने राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण, सार्वजनिक निर्माण विभाग महवा, संभागीय आयुक्त जयपुर, जिला कलक्टर दौसा, पुलिस अधीक्षक दौसा, पुलिस उप अधीक्षक महवा तथा थाना महवा से किसी प्रकार की अनापत्ति प्रमाणित अनुमति भी प्राप्त नहीं की है। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग के बीचोंबीच किया गया यह निर्माण नियमों के विपरीत होने के साथ आमजन के लिए गंभीर खतरा बन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महवा-मंडावर रोड पर अवैध तरीके से बनाए गए इस चबूतरे को शीघ्र हटाकर सड़क को पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए, ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारू रूप से चल सके और संभावित दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।

मंडावा में उपखंड स्तरीय जन सुनवाई:

पंचायत समिति मंडावा सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित, प्राप्त प्रकरणों का किया निस्तारण

सुनवाई के दौरान शेष रहे प्रकरणों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण करने के दिए निर्देश।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । हर माह में द्वितीय गुरुवार को होने वाली उपखंड स्तरीय होने वाली जन सुनवाई को लेकर मंडावा पंचायत समिति सभागार में गुरुवार को उपखंड स्तरीय जन सुनवाई कार्यक्रम उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी की उपस्थिति में आयोजित की गई। तहसीलदार डॉ.सुरेन्द्र भास्कर ने जानकारी देते हुए बताया कि जन सुनवाई में विभिन्न विभागों के अलग अलग प्रकरण प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि जन सुनवाई में दर्जनों प्रकरण प्राप्त हुए। प्राप्त प्रकरणो में पीडब्ल्यू विभाग, राजस्व, नगरपालिका, पंचायत समिति,सूचना प्रोद्योगिकी विभाग के प्रकरण प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि प्राप्त हुए अधिकाश प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। सुनवाई के दौरान शेष रहे सभी प्रकरणों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मंडावा उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी, मंडावा तहसीलदार डॉ सुरेन्द्र भास्कर, बिसाऊ तहसीलदार शेर सिंह राठौड़, प्रोग्रामर सुभाष चंद्र, डीओआईटी पूजा चौधरी, मंडावा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार, ब्लॉक साख्यिक अधिकारी शारदा जिनोलिया, विद्युत विभाग के सहायक अभियंता संजेश कुमार, पीएचइडी विभाग के कनिष्ठ अभियंता राम सिंह गुर्जर, पालिका मंडावा के राजपाल, एसडीएम कार्यालय से चेतन शर्मा, ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुनीता धायल मंडावा, ए बी डी ओ राकेश जानू पंचायत समिति मंडावा, एस आर कुमावत बिसाऊ, पशुपालन विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, सहित अन्य विभाग के अधिकारी, कार्मिक उपस्थित थे।

झडाया बालाजी मंदिर परिसर पर रामनवमी पर होगा विशाल मेले का आयोजन

महिला एवं पुरुष पहलवानों द्वारा कुश्ती दंगल का भी होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झडाया बालाजी मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्षभी आगामी 27 मार्च को रामनवमी के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा द्य मेले की तैयारियो को लेकर गुरुवार को झडाया बालाजी मंदिर परिसर में मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम जी दास जी महाराज के सानिध्य में मीटिंग का आयोजन किया गया द्य समाजसेवी मदनलाल भावरिया ने मीटिंग के दौरान बोलते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि मेले ही हमारी संस्कृति की धरोहरहैं क्योंकि मेलों से ही आपसी भाईचारे की भावना बढ़ती है मीटिंग में मेले की तैयारियो को लेकर विचार विमर्श किया गया द्य मीटिंग के दौरान मेला व्यवस्थापक विकास जांगिड़ ने कहा कि मेले से पूर्व 26 मार्च को रात्रि में एक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक्कारों द्वारा भजनों की रसगंगा प्रवाहित की जाएगी द्य विकास जांगिड़ एवं आशीष जांगिड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 मार्च को ही महिला एवं पुरुष पहलवानों द्वारा कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा द्य विकास जांगिड़ के अनुसार 27 मार्च को रात्रि में मंदिर परिसर पर विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा द्य इस दौरान हनुमान प्रसाद यादव ,कालूराम कस्वा, आनंद कुमावत, विकास जांगिड़, आशीष जांगिड़, जगदीश प्रसाद बिछवालिया, छाजू राम शेरावत सहित कई लोग मौजूद रहे

सूरजगढ़ ब्लॉक में साक्षरता अभियान को लेकर जिंगल वाहन रवाना, गांव-गांव होगा प्रचार प्रसार

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

'आओ हम सब मिलकर उल्लास मनाएं' की मधुर ध्वनि के साथ शुक्रवार को ब्लॉक सूरजगढ़ में साक्षरता वातावरण निर्माण अभियान के तहत जिंगल प्रचार वाहन को रवाना किया गया। इस वाहन के माध्यम से पूरे ब्लॉक क्षेत्र में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़कर शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल हो सकें। जिंगल प्रचार वाहन को ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती बसंता तथा अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि साक्षरता समाज के विकास का महत्वपूर्ण आधार है और इसके लिए हर व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। ब्लॉक साक्षरता प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि यह जिंगल प्रचार वाहन ब्लॉक की विभिन्न ग्राम पंचायतों और शहर के अलग-अलग वार्डों में जाकर साक्षरता का संदेश देगा। वाहन के माध्यम से लोगों को नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी और उन्हें शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य उन लोगों तक शिक्षा का महत्व पहुंचाना है जो अब तक किसी कारणवश पढ़ाई से वंचित रह गए हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाने के साथ-साथ डिजिटल और सामाजिक जागरूकता से भी जोड़ा जाएगा, जिससे वे समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। अधिकारियों ने कहा कि यदि समाज का हर व्यक्ति साक्षर होगा तो न केवल व्यक्तिगत विकास होगा बल्कि क्षेत्र और देश के विकास को भी नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर रेनु, मैना, राजेश कुमार मीणा, प्रमील कुमार मीणा, महेंद्र कुमार, राकेश कुमार, नरेश कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

मंडावा के ग्राम भारु में नव चयनित आईएएस प्रीति जेवरिया का भव्य स्वागत, सर्वसमाज ने किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

ग्राम भारु में नव चयनित आईएएस प्रीति जेवरिया तांतीजा के सम्मान में सर्वसमाज द्वारा भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अपने ननिहाल भारु पहुंचने पर ग्रामीणों ने प्रीति जेवरिया का गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए उन्हें साफा पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम चौक में किया गया, जहां मुख्य अतिथि के रूप में झुंझुनूं के पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने प्रीति जेवरिया को साफा पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों का इस तरह की प्रतिष्ठित परीक्षा में चयन पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रीति की सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।कार्यक्रम में मंच पर शिवचंद सिंह दनेवा, रामदेव सिंह, शशि भारु (सरपंच प्रतिनिधि), राकेश भारु (प्रधानाचार्य), फुलचंद रोहिल्ला, बीरबल सिंह चिरानीया (फतेहपुर), राजेंद्र सिंह फूशखानी, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा, पूर्व भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष मंडावा अजय वर्मा नुआ तथा पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सतवीर बरवड़ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस दौरान कन्हैयालाल रोहिल्ला ने बताया कि उनकी भांजी प्रीति जेवरिया तांतीजा का संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित आईएएस परीक्षा में चयन होने से पूरे परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने फूलमालाओं और साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया। समारोह का संचालन व्याख्याता विजय सिंह स्वामी ने किया। कार्यक्रम में भीम आर्मी मीडिया प्रभारी अनुराग भारु, हरीश जी (मास ग्रुप लाइब्रेरी झुंझुनूं), कमलेश काला, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास इशरवाल, राजेंद्र सिंह, राकेश, सीमा देवी (पूर्व सरपंच भारु) सहित गांव के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में उपस्थित लोगों ने प्रीति जेवरिया को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि उनकी सफलता से क्षेत्र के युवाओं में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति नई प्रेरणा मिलेगी।

बड़बर में जिला कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने गुरुवार को बुहाना उपखंड की बडबर ग्राम पंचायत के राजकीय विद्यालय में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा उठाई गई समस्याएं उचित हैं और उनका शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए गांव में पेयजल की समस्या के समाधान के लिए ट्यूबवेल में आठ दिन के भीतर बड़ी मोटर लगाई जाएगी। साथ ही 1 अप्रैल से टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति भी शुरू कर दी जाएगी। इसके अलावा गांव के अन्य कुओं में भी मोटर लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। डॉ. गर्ग ने अधिकारियों से आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्राउंड लेवल पर कार्य करने वाले कार्मिक आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और अपने स्तर पर समाधान का प्रयास करें। यदि किसी कारण से समस्या का समाधान संभव नहीं हो तो ग्रामीणों को संतोषजनक जवाब दिया जाए। उन्होंने गांव के खेल मैदान से जल्द तार हटाने तथा स्कूल का नाम संस्कृत बालिका विद्यालय के नाम से करने के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास, बुहाना एसडीएम पूनम मीणा, वृत्ताधिकारी पुलिस नोपाराम, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक राजेश मील, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, उद्यान विभाग के उपनिदेशक डॉ विजयपाल कस्वा, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ जितेंद्र स्वामी, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजेंद्र लाम्बा सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

टोहाना नगर परिषद की हंगामे दार हुई बजट बैठक

विकास कार्यों की सुस्त चाल पर पार्षदों का फूटा गुस्सा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । नगर परिषद कार्यालय में गुरुवार को बजट एवं सामान्य निकाय की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता परिषद के चेयरमैन नरेश बंसल ने की। बैठक में आगामी वित्त वर्ष के लिए 47 करोड़ 4 लाख रुपये की अनुमानित आय और 47 करोड़ 3 लाख रुपये के खर्च का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। हालांकि, बजट पारित होने के बावजूद शहर के विकास कार्यों की कछुआ चाल और अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर बैठक में काफी हंगामा हुआ। बैठक में परिषद के ईओ दीपक

कुमार, एसओ कुलदीप अकाउंटेंट परवीन और तीनों जेई तो मौजूद रहे, लेकिन कार्यकारी अभियंता अमित कौशिक के न पहुँचने पर पार्षदों ने कड़ी नाराजगी जताई। अधिकारियों द्वारा इस अनुपस्थिति पर कोई संतोषजनक जवाब न दिए जाने से पार्षदों का पारा चढ़ गया। पार्षदों ने दो टूक कहा कि पिछले बजट में पास किए गए एजेंडों पर कोई काम नहीं हुआ, जबकि हर बार नए एजेंडे थोप दिए जाते हैं। नगर परिषद की उप-प्रधान नीरू सैनी ने भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि उनके वार्ड में नई बनी सड़क की बजरी उखड़ रही है, जिससे लोग परेशान हैं। इस पर जब जेई विवेक से जवाब मांगा गया, तो वे पहले चुप्पी साधे रहे, लेकिन चेयरमैन के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने ठेकेदार से 'पैच वर्क' कराने का आश्वासन दिया। पार्षदों ने मार्केट एरिया को बिजली के खंभों से मुक्त करने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। अधिकारियों ने जवाब दिया कि इस संबंध में बिजली निगम के उच्चाधिकारियों से संपर्क कर जल्द कार्रवाई की जाएगी। स्ट्रीट लाइट की समस्या और जलभराव को लेकर भी पार्षदों ने अधिकारियों को जमकर खरी-खोटी सुनाई।

जनसुनवाई के परिवादों को तय समयानुसार निस्तारित कर आमजन को देगें राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज

बाड़मेर । राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रशासन को आमजन से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से गुरुवार को बाड़मेर पचायत समिति में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और उपखंड अधिकारी बाड़मेर यशार्थ शैखर के द्वारा बाड़मेर जिला मुख्यालय पर किया गया। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए ग्रामीणों ने पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सड़क, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भूमि संबंधी प्रकरण, आवास योजना, मनरेगा सहित अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं एवं परिवेदनाएं प्रस्तुत कीं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और उपखंड अधिकारी बाड़मेर यशार्थ शैखर ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन सुनवाई का उद्देश्य आमजन को राहत प्रदान करना है, इसलिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्राप्त प्रकरणों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। उपखंड अधिकारी बाड़मेर यशार्थ शेखर ने जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों का मौके पर समाधान संभव है, उनका तुरंत निस्तारण किया जाए तथा शेष प्रकरणों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए। यथार्थ शेखर ने कहा कि गर्मियों के मौसम को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, बिजली, सड़क तथा राजस्व संबंधी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान कई प्रकरणों का मौके पर ही समाधान भी किया गया, जिससे आमजन को तुरंत राहत मिली।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनुदान मांगों का किया समर्थन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण भारत के समग्र विकास का रखा पक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बुधवार को संसद में ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ग्रामीण भारत के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और योजनाओं का उद्देश्य गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना, किसानों और गरीब वर्ग के जीवन स्तर को बेहतर बनाना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करना है। राज्यसभा सांसद बराला ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका सीधा लाभ देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिल

रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क, आवास, पेयजल, स्वच्छता, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने गांवों में विकास की नई गति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने तथा गरीब और वंचित वर्ग को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाना है, ताकि गांवों में रहने वाले लोगों को भी शहरों के समान सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। सांसद बराला ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांवों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण भारत के विकास को और अधिक गति मिलेगी। अपने संबोधन के उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के संकल्प को दोहराते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनुदान मांगों का पूर्ण समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रयास देश के गांवों को मजबूत बनाने के साथ-साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सरसों की सरकारी खरीद तत्काल शुरू करे तथा रसोई गैस की दाम बढ़ाने व कालाबाजारी से आम आदमी परेशान- ठाकुर अतरलाल एडवोकेट

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । बहुजन समाज पार्टी के नेता एडवोकेट अतरलाल ने कहा कि राज्य सरकार से अनाज मंडियों में सरसों की सरकारी खरीद तत्काल शुरू करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि सात दिनों के अंदर सरसों की सरकारी खरीद प्रारंभ नहीं की तो बसपा के नेता व पदाधिकारी मार्केट कमेटियों को घेराव करेंगे। बसपा नेता गुरुवार को अटेली क्षेत्र में जनसंपर्क करते हुए कहा कि अब की बार गर्मी जल्दी शुरू होने के कारण सरसों की फसल 20 दिन पहले पकने से लावणी आ गई। इस कारण राज्य सरकार द्वारा सरसों की सरकारी घोषित की गई तारीख 28 मार्च को बदल कर तत्काल शुरू करनी चाहिए। इसके अलावा सरसों की अगेती बोई गई थी वो लगातार किसानों द्वारा बाजार में आ रही है। सरकार द्वारा घोषित एमएसपी 6200

रुपए प्रति क्विंटल सरसों को कम भाव में बेचना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने जल्द सरकारी खरीद नहीं की गई तो किसान को मोटा नुकसान होगा तथा अपने रोजमर्रा की जरूरत के लिए सस्ते दामों पर बेचनी पड़ेगी। बसपा नेता कहा कि वह लगतार मंडियों का दौरा कर रहे है जिसमें देखा जा रहा है कि अगेती सरसों की फसल आ रही है लेकिन मंडियों में खरीद की किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है। बसपा नेता एडवोकेट अतरलाल ने कहा कि रसोई गैस के सिलेंडर के रेट को 871 से 60 रुपए बढ़ाकर 931 करना गरीब विरोधी के साथ महिला विरोधी है। जब से केंद्र सरकार ने घरेलू गैस की कीमत बढ़ाई है तभी से गैस की किल्लत व कालाबाजारी शुरू हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर मध्य एशिया में चल रही लड़ाई का भाना दिखा कर गैस वृद्धि को दबाने का काम किया है जबकि सरकार ने गैस वृद्धि का छुपाने के लिए आर्टिफिशियल कमी दिखाई जा रही है। उनके साथ चेयरमैन भागसिंह, दान सिंह प्रजापत, शेर सिंह यादव, राकेश यादव, केलाश सेठ, सुरेंद्र चौधरी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहें।

घरेलू सिलेंडरों की मांग अचानक दुगनी हुई, गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें देखी जा रही है

पुलिस की मौजूदगी में वितरण हो रहा है, आज से खाद्य आपूर्ति के कर्मी भी एजेंसियों पर रहेंगे तैनात

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । ईरान, अमेरिका-इजरायल के युद्ध की लड़ाई का धुआं भारत के घरों की रसोई तक पहुंच गया है। गैस एजेंसियों पर गैस सिलेंडरों लेने वाले गैस उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग रही है। केंद्र सरकार ने घरेलू सिलेंडरों के दामो में बढ़ोतरी कर दी है। पिछले कई रोज से गैस एजेंसियों पर लंबी-लंबी कतारें लग रही है। पिछले चार रोज से कमर्शियल सिलेंडरों की बुकिंग रोक लगायी हुई है वही घरेलू गैस सिलेंडरों के दामों में हुई अचानक बढ़ोतरी ने आमजन की कमर तोड़ दी है। कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई बंद होने से होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, मिठाई, कैटरिंग व्यवसायों से जुड़े लोगों में खासी नाराजगी है। शादियों के सीजन के कारण गैस की खपत कई गुना बढ़ी हुई है। होटल संचालकों का कहना है कि अगर जल्द गैस नहीं मिली तो एक-दो दिन में उन्हें अपने प्रतिष्ठान बंद करने पड़ जाएंगे। इस अफरा-तफरी के बीच घरेलू सिलेंडरों की मांग

अचानक दुगनी हो गई है। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि क्षेत्र में पहले जब प्रतिदिन करीब 500 रोज सिलेंडरों की मांग रहती थी अब यह आंकड़ा 1000 तक पहुंच गया है। एजेंसियों पर लंबी-लंबी कतारें लग रही है तथा पुलिस की मौजूदगी में बुकिंग व केवाईसी आदि कार्य करना पड़ रहा है। उपभोक्ता संदीप जांगिड़ वार्ड 2 निवासी, धुरेंद्र पाल, बिरेंद्र सिंह, सुनील, प्रवीण कुमार ने बताया कि कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई बंद होने से घरेलू सिलेंडरों की कालाबाजारी 2 हजार रुपए तक हो गई है। गैस एजेंसियों व प्रशासन को सही व्यवस्था करनी चाहिए। गैस एजेंसियों पर बुकिंग गैस सिलेंडर की बुकिंग पोर्टल स्लो चलने के कारण समस्या गंभीर होती जा रही है। अटेली क्षेत्र में मंडी अटेली में शहीद बिरेंद्र सिंह गैस एजेंसी,गणियार में ग्रामीण वितरण, खेड़ी में ग्रामीण वितरक एजेंसी है। इनमें करीब 20 हजार गैस उपभोक्ता है वही जिले में करीब एक लाख 41 हजार गैस कनेक्शन है। प्रधानमंत्री की उज्ज्वला योजना के लाभ पात्रों को भी परेशानी से जूझना पड़ रहा है। वही अटेली शहीद गैस एजेंसी के संचालक ओमप्रकाश ने बताया कि लोगों में भ्रामक फैलने के चलते यह दिक्कत बनी है। अटेली के गैस उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। वही गणियार, खेड़ी क्षेत्र में तो दिक्कत काफी गंभीर बनती जा रही है। वहा से घर सप्लाई की गाड़ी पिछले चार रोज से नहीं चल रही है। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक सावित्री बाई व सब इंस्पेक्टर हरिप्रकाश ने बताया कि मध्य एशिया में चल रही लड़ाई को लेकर भ्रांतियों फैलने के चलते दिक्कत हो रही है। पोर्टल पर बुकिंग में उपभोक्ता द्वारा समय पर फोन नहीं उठाने पर दिक्कत हो रही है। जिले में रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, सीएनजी की कोई कमी नहीं है। सभी एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक है, अगर किसी ने कालाबाजारी की तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। आज से गैस एजेंसियों पर खाद्य आपूर्ति के कर्मियों की मौजूदगी में गैस का वितरण होगा।

दिवराला: डॉ.जेपी महरडा 19 साल पशु चिकित्सक सेवाएँ दी, अब पशुपालन विभाग जयपुर में उप निदेशक पद पर पदोन्नत

पशुपालकों, ग्रामीणों ने आयोजित किया अभिनंदन समारोह, डॉ.महरडा बोले - सरकार द्वारा प्रदत्त कार्यों को सदैव प्राथमिकता से करना ही कार्मिकों की खुशी का केन्द्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजीतगढ़।

सुमेर मीणा । दिवराला पशुचिकित्सक डॉ.जेपी महरडा का जयपुर पशुपालन में उप निदेशक पदोन्नति होने पर राजपूत भवन में गुरुवार को पशुपालकों, ग्रामीणों ने अभिनंदन समारोह नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण पालीवाल, सेवानिवृत्त उप निदेशक डॉ.जीएल सैनी की मौजूदगी में आयोजित किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ.महरडा ने दिवराला में 19 वर्ष पशु चिकित्सक सेवाएँ दी है, इस दौरान इन्होंने पशुपालकों को सरकारी योजनाओं के तहत अधिकाधिक लाभान्वित करके जिले और प्रदेश स्तर पर अव्वल रहे है। लम्पी महामारी के चलते अजीतगढ़ ब्लॉक में 24 पशु चिकित्सालय, उप केंद्र में अकेले चिकित्सक होने के बावजूद कार्मिकों के सहयोग से बेहतरीन कार्य करके गौवंश को बचाने का कार्य किया। इससे पूर्व ग्रामीणों ने मंचस्थ अतिथियों का माल्यार्पण, साफा बंधवाकर

स्वागत किया वहीं नवनियुक्त उप निदेशक डॉ जेपी महरडा को पशुपालकों, ग्रामीणों ने माल्यार्पण, साफा बंधवाकर अनेक स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान ग्रामीणों ने डॉ.महरडा के पिता रिटायर्ड शिक्षक रामधन महरडा, पत्नी आशा देवी व परिजनों का सम्मान किया। इस दौरान डॉ.महरडा ने कहा कि उन्होंने दिवराला में 19 साल सेवाएं दी, अजीतगढ़ ब्लॉक मुख्यालय पर भी सेवाएं देकर पूरे अंचल में पशुपालकों के मवेशियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए कार्य किए, अब यह इलाका घर के समान लगने लगा है। उन्होंने कार्मिकों से कहा कि सरकार को कल्याणकारी अनेकों योजनाओं को पशुपालकों, जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने के साथ ही केंद्र पर आए बीमार पशुओं के उपचार का कार्य करना प्राथमिकता रखनी चाहिए। इस दौरान डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. सुरेश यादव, डॉ. रोहित शर्मा, डॉ. हार्दिक शर्मा, महेंद्र सिंह शेखावत, गोपाल लाल, लक्ष्मण सिंह, धूडाराम,दिलीप सिंह, विजेंद्र सिंह, गुरुमुख सिंह, विक्रम सिंह, श्री कृष्ण गोशाला अजीतगढ प्रबंधन अध्यक्ष चैतन्य मीणा, सचिव मूलशंकर शर्मा, गोपाल सैनी, शंकर लाल यादव, अशोक टेलर समेत अनेक गणमान्य लोग, पशुपालक, ग्रामीण मौजूद थे। मंच संचालन सुशील शर्मा ने किया।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा ने समाधान शिविर में सुनीं जनसमस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला एवं उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजन को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। एसडीएम आकाश शर्मा ने वीरवार को आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। इस दौरान 2 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को निस्तारण

के लिए फॉरवर्ड किया गया। प्राप्त शिकायतों में एक परिवार पहचान पत्र से संबंधित और एक पेंशन से संबंधित शामिल रही।

एसडीएम ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी पात्र नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो। विभिन्न विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि प्राप्त शिकायतों की गंभीरता से जांच कर निर्धारित समय-सीमा में समाधान किया जाए, ताकि किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी न हो। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र आईडी में आय संबंधी संशोधन, नए सदस्यों का पंजीकरण, राशन कार्ड, बिजली विभाग एवं पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम है, जिसके माध्यम से विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जा रहा है। एसडीएम ने आमजन से आग्रह किया कि वे अपनी किसी भी समस्या के समाधान के लिए समाधान शिविर में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जनता की समस्याएं सुनी जाती हैं।

गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर जिला कलेक्टर सख्त : कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई, उपभोक्ताओं को निर्बाध गैस उपलब्ध कराने के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने अधिकारियों और तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को बिना किसी बाधा के समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए तथा आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को अवगत कराया कि वर्तमान में जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है और सभी गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में एलपीजी सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है। उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप नियमित रूप से सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है, जिससे आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू बनी हुई है। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ता द्वारा गैस बुकिंग कराने के बाद नियमानुसार समय पर उनके घर तक गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि गैस वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए जांच दल गठित किया गया है जो समय-समय पर गैस एजेंसियों और आपूर्ति व्यवस्था की जांच करेगा। यदि कहीं भी अनियमितता या अवैध गतिविधि सामने आती है तो द्रवित पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण का विनियमन) आदेश 2000 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला कलक्टर ने आम उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि गैस आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचनाओं या अफवाहों से घबराने की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान में गैस बुकिंग की प्रक्रिया पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है और उपभोक्ता सिलेंडर प्राप्त करने के 25 दिन बाद अगली बुकिंग करवा सकते हैं, जिससे सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने उपभोक्ताओं से यह भी आग्रह किया कि गैस सिलेंडर केवल अधिकृत गैस एजेंसियों से ही प्राप्त करें। गैस बुकिंग के बाद सिलेंडर की आपूर्ति सीधे उपभोक्ता के घर पर की जा रही है, इसलिए गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ लगाने से बचें। यदि किसी उपभोक्ता को गैस सिलेंडर की आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या आती है तो वे टोल फ्री नंबर 14435, 181, 112 अथवा जिला कंट्रोल रूम के नंबर 01427-224903 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिस पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदीचंद गंगवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा अरविन्द शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा, जिला रसद अधिकारी कौशल किशोर गुप्ता, इंडियन ऑयल के प्रतिनिधि नरेन्द्र बुड़लक, भारत पेट्रोलियम के लिखीराम मीणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता रामकुमार सैनी की सुपुत्री किरण सैनी के विवाह समारोह में दिग्गज हस्तियों ने की शिरकत, परिवार को दी बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । कांग्रेस के प्रभारी (एलडीएम), नगर परिषद के पूर्व उपप्रधान एवं नगर पार्षद रामकुमार सैनी की पुत्री किरण सैनी के विवाह समारोह में टोहाना के दिग्गज नेताओं ने शिरकत की। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, कैबिनेट मंत्री देवेन्द्र सिंह बबली, पूर्व कृषि मंत्री एवं मौके के विधायक स. परमवीर सिंह, पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता स. निशान सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बलजिन्द्र सिंह

ठरवी, पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र कौर के सुपुत्र राहुल भट्ठल, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंगदास गर्ग, 7 वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महंत भोलेनाथ धारसूल, कुमारी शैलजा व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की ओर से प्रतिनिधिगण, पूर्व सीपीएस प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा, अमित सिहाग पूर्व विधायक, नरेश सेलवाल उकलाना, रतिया के विधायक स. जरनैल सिंह, बरवाला से राम निवास, विधायक शीशपाल केहरवाल विधायक व संजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की पुत्री किरण सैनी को आशीर्वाद देते हुए उनके वैवाहिक जीवन की मंगल कामना की तथा समस्त सैनी परिवार को इस शुभ घड़ी के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं।

केन्द्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों से वैश्विक संकट के बीच देश में सीमित प्रभाव

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस नेताओं की ओर से गैस, तेल और खाद्य सामग्री की कमी को लेकर लगाए जा रहे आरोपों को भ्रामक और तथ्यहीन बताते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ फैलाकर जनता में डर और भ्रम का वातावरण बनाने का प्रयास कर रही है, जो उनकी पुरानी राजनीतिक परिपाटी रही है। मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि बिना तथ्यों की पुष्टि किए लगातार अनर्गल बयानबाजी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता आपदा में अवसर तलाशने की राजनीति करते हैं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी जनता को डराकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियां अवश्य उत्पन्न हुई हैं, लेकिन भारत सरकार की दूरदर्शी नीतियों और मजबूत तैयारियों के कारण देश पर इसका प्रभाव बेहद सीमित रहा है।

एलपीजी को लेकर अफवाहों पर सरकार सख्तः जमाखोरी रोकने को विजिलेंस दल सक्रिय, मंत्री बोले-घरेलू गैस की कोई कमी नहीं

अंतरराष्ट्रीय हालात के बीच सरकार की निगरानी बढ़ी, 2-3 दिन में घर तक पहुंचेगा सिलेंडर, कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश।

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

मनोज खंडेलवाल । अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों के बीच प्रदेश में घरेलू रसोई गैस को लेकर फैल रही आशंकाओं पर विराम लगाते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने स्पष्ट किया है कि राजस्थान में एलपीजी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आम उपभोक्ताओं को घबराने की किसी भी प्रकार की आवश्यकता नहीं है। गुरुवार को जयपुर में प्रेस से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी या किसी अन्य उद्देश्य के लिए डायवर्जन जैसी गतिविधियों को पूरी तरह रोकने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था लागू कर दी है। सभी जिलों में विजिलेंस दल सक्रिय कर दिए गए हैं और जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा विभागीय अधिकारी नियमित रूप से गैस एजेंसियों व गोदामों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिलों में गठित निगरानी समितियों से प्राप्त दैनिक रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि प्रशासनिक सतर्कता के चलते प्रदेश में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण या कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा चुकी है और स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। सरकार की प्राथमिकता यह है कि हर घर तक बिना बाधा के रसोई गैस की आपूर्ति सुचारू रूप से होती रहे और किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक परेशानी न झेलनी पड़े। गोदारा ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए शहरी क्षेत्र के उपभोक्ता पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद तथा ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता 45 दिन बाद ही गैस बुकिंग कराएं, ताकि आपूर्ति व्यवस्था संतुलित बनी रहे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गैस बुकिंग केवल मोबाइल एप, वेबसाइट, व्हाट्सएप या आईवीआरएस जैसे डिजिटल माध्यमों से ही करवाई जाए और एजेंसी पर जाकर बुकिंग कराने से बचा जाए। मंत्री ने कहा कि घरेलू गैस की आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह व्यवस्थित है और बुकिंग के दो से तीन दिन के भीतर उपभोक्ताओं के घर तक सिलेंडर पहुंचा दिया जा रहा है। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी डिलीवरी ओटीपी प्रणाली के माध्यम से की जा रही हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि गैस सिलेंडर वास्तविक उपभोक्ता तक ही पहुंचे। वर्तमान हालात को देखते हुए गैस एजेंसियों पर प्वाइंट डिलीवरी को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 9 मार्च 2026 को जारी एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर के तहत व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति फिलहाल बंद कर दी गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार व्यावसायिक गैस केवल शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों को ही उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि आवश्यक सेवाओं पर किसी प्रकार का असर न पड़े। गोदारा ने कहा कि प्रदेश सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित और सुगम गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यदि किसी भी क्षेत्र में गैस आपूर्ति में बाधा आती है या घरेलू सिलेंडरों से जुड़ी कोई अवैध गतिविधि सामने आती है तो उपभोक्ता तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112, 14435 या 181 पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। शिकायत मिलते ही प्रशासन तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करेगा। उन्होंने दोहराया कि राज्य में गैस की उपलब्धता पर्याप्त है और प्रशासनिक निगरानी लगातार जारी है, इसलिए आमजन को किसी भी प्रकार की अफवाहों या आशंकाओं में आने की जरूरत नहीं है।

घरेलू गैस सिलेंडर आपूर्ति पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री की प्रेस से वार्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को घरेलू गैस आपूर्ति पर प्रेस से वार्ता के दौरान बताया कि प्रदेश में घरेलू कुकिंग गैस (एलपीजी) का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। घरेलू उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति के संबंध में आशंकित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। अंतराष्ट्रीय घटनाक्रमों से उत्पन्न वर्तमान स्थिति में घरेलू गैस सिलेंडरों की किसी प्रकार की जमाखोरी या अन्य स्त्रोतों में डायवर्जन नहीं हो यह चैक करने में समस्त जिलों में विजीलेन्स दल कार्यरत हो गए हैं। इसके साथ ही जिलों में कलेक्टर, एसपी एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा नियमित चैकिंग की जा रही है। जिलों में सुचारू घरेलू गैस आपूर्ति हेतु गठित की गई कमेटियों द्वारा प्राप्त दैनिक रिपोर्ट में सामने आया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण जैसी अवैध गतिविधियों की पूर्णतया रोकथाम प्रशासन द्वारा की गई है है। प्रदेश में इस तरह की कोई गतिविधि नहीं हो रही है। गोदारा ने बताया कि अंतराष्ट्रीय घटनाओं से उत्पन्न वर्तमान स्थिति के मद्देनजर उपभोक्ताओं से निवेदन है कि गैस बुकिंग शहरी क्षेत्र के उपभोक्ता द्वारा पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद और ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता द्वारा 45 दिन के बाद ही किया जाए। साथ ही बुकिंग केवल मोबाईल एप, बेबसाईट, व्हाट्सएप, IVRS के माध्यम से ही करवाएं तथा गैस एजेन्सी पर जाकर बुकिंग कराने का प्रयास न करें। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि घरेलू गैस आपूर्ति के संबंध में स्थिति एकदम सामान्य है तथा गैस बुकिंग करवाने के 2-3 दिन के भीतर उपभोक्ता के घर पर गैस सिलेंडर की डिलीवरी की जाएगी। घरेलू एलपीजी की सभी डिलीवरी ओटीपी के माध्यम से की जा रही है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सिलेन्डर वास्तविक उपभोक्ता को ही प्राप्त हो। उन्होंने बताया कि वर्तमान स्थिति के मद्देनजर अपनाए गए मापदंड के तहत गैस एजेन्सी पर पॉइन्ट डिलीवरी बन्द कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जैसा सर्वविदित है कि 9 मार्च 2026 के एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर के तहत व्यावसायिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है एवं माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के अनुसार व्यावसायिक गैस केवल शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थानों को ही उपलब्ध कराई जा रही है।

जनसुनवाई में गूंजा रसीदपुर का दर्दः बिजली-पानी, सड़क और सफाई की समस्याओं पर ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगा समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड मुख्यालय पर आयोजित उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में गुरुवार को ग्राम रसीदपुर के ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी पीड़ा रखी। जनसेवक भुवनेश त्रिवेदी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम को ज्ञापन सौंपते हुए गांव में लंबे समय से चली आ रही बिजली, पानी, सड़क और स्वच्छता संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। जनसेवक एवं अधिवक्ता भुवनेश त्रिवेदी ने बताया कि रसीदपुर गांव में कई महीनों से सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। नालियां कीचड़ और गंदे पानी से भरी पड़ी हैं, जिससे आसपास बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है तथा

समाजसेवी के साथ शिकायत देते ग्रामीण।

ग्रामीणों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से सार्वजनिक रास्तों और नालियों की नियमित सफाई कराने तथा घर-घर से कचरा संग्रहण की व्यवस्था शुरू करने की मांग की, ताकि गांव में स्वच्छता व्यवस्था सुधर सके। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने बिजली समस्या का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने जवीवीएनएल से गांव में एक्सप्रेस फीडर खिंचवाकर चालू कराने की मांग रखी, ताकि क्षेत्र के लोगों को चौबीसों घंटे तीन फेज बिजली की सुविधा मिल सके और खेती-किसानी तथा घरेलू जरूरतों में होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके। ग्रामीणों ने बैरवा मोहल्ला में अम्बेडकर भवन से मंडली कॉलोनी तक पेयजल संकट की समस्या भी प्रशासन के सामने रखी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की किल्लत बनी हुई है, जिससे लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है। ग्रामीणों ने यहां नया बोर करवाकर पेयजल व्यवस्था सुचारू करने तथा कई घरों के ऊपर से गुजर रही 11 केवी बिजली लाइन को हटाने की मांग भी रखी, ताकि संभावित हादसों से बचाव हो सके। जनसुनवाई के दौरान रसीदपुर के ग्रामीण मनीष बैरवा, खुशीराम बैरवा, धर्मी बैरवा और मोहनलाल बैरवा सहित कई लोग मौजूद रहे।

महिला थाना फतेहाबाद की बडी कार्यवाही - शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के नेतृत्व में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर कड़ा प्रहार करते हुए, महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक महिला के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास पुत्र रमेश कुमार, निवासी गांव दिवाना (फतेहाबाद) के रूप में हुई है। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता ने महिला थाना में दी अपनी शिकायत में बताया कि करीब एक

साल पहले उसकी जान-पहचान आरोपी विकास के साथ हुई थी। आरोपी ने उसे पसंद करने और शादी करने का वादा किया। शादी का झांसा देकर आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी लगातार शादी का झूठा वादा कर पीड़िता का शारीरिक शोषण करता रहा। जब पीड़िता ने आरोपी पर शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया वा आरोपी ने पीडिता को धमकी दी ।

पीड़िता की शिकायत और महिला अधिवक्ता की काउंसलिंग के बाद महिला थाना फतेहाबाद में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 69 और 351(2) के तहत मुकदमा नंबर 13/2026 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी विकास को गिरफ्तार कर लिया गया । आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश करके नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी । मामले की जाँच जारी है।

फतेहाबाद पुलिस का संदेशः

पुलिस प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में महिलाएं तुरंत महिला हेल्पलाइन 1091 या डायल 112 पर संपर्क करें। अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

टोहाना शहर पुलिस की बड़ी कामयाबी – मोहम्मद अली हत्याकांड मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

करीब दो वर्ष पुराने हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में पुलिस को मिली सफलता, दो आरोपी पहले ही भेजे जा चुके हैं जेल

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन में पुराने व लंबित आपराधिक मामलों के निस्तारण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने जून 2023 के चर्चित मोहम्मद अली उर्फ काला हत्याकांड मामले में तीसरे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनूप सिंह पुत्र जगबीर सिंह निवासी गांव मनाना (समालखा), जिला पानीपत के रूप में हुई है। सीआईए टोहाना प्रभारी उप निरीक्षक अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि

दिनांक 30 जून 2023 को दर्शना निवासी गीता कॉलोनी, टोहाना ने शिकायत दी थी कि उनका बेटा मोहम्मद अली उर्फ काला, जो पेशे से ड्राइवर था, 24 जून 2023 से लापता है। इस शिकायत पर थाना शहर टोहाना में पहले धारा 346 आईपीसी के तहत गुमशुदगी का मामला अभियोग संख्या 360/2023 दर्ज किया गया था।

मामले की गहन जांच, तकनीकी साक्ष्यों (सीसीटीवी फुटेज) के विश्लेषण तथा मुखबिरों से प्राप्त सूचना के आधार पर जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि मोहम्मद अली की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद मामले में धारा 302, 297, 201 व 34 भा.दं.सं. की धाराएं जोड़ी गईं। पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अब सीआईए टोहाना की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में तीसरे आरोपी अनूप सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मामले की जांच अभी जारी है।

एसपी सिद्धांत जैन की पहल रंग लाई : 'सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय' से संवर रहे युवाओं के सपने

अनुशासित माहौल में पढ़ाई कर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर रहे विद्यार्थी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस की पहल और मार्गदर्शन से पुलिस लाइन स्थित 'सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय' आज युवाओं के सपनों को साकार करने का मजबूत मंच बनकर उभर रहा है। अनुशासित वातावरण, आधुनिक सुविधाएं और शांत अध्ययन माहौल के कारण यह पुस्तकालय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है। एसपी सिद्धांत जैन की सोच रही है कि युवाओं को सकारात्मक दिशा और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाकर समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। इसी उद्देश्य से पुलिस लाइन में स्थापित सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय आज अनेक विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए 40 सीटों की व्यवस्थित व्यवस्था, एसी हॉल, स्वच्छ व शांत वातावरण और फ्री वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई

गई है। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों के साथ-साथ साहित्यिक, ऐतिहासिक तथा व्यक्तित्व विकास से जुड़ी पुस्तकों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। इसके अलावा कंप्यूटर और प्रोजेक्टर के माध्यम से ऑनलाइन अध्ययन सामग्री भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनकी तैयारी और अधिक प्रभावी बन रही है। इस सकारात्मक पहल के परिणाम भी सामने आने लगे हैं। पुस्तकालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। सीईटी परीक्षा में मनजीत सिंह ने 82 अंक, विनोद ने 81 अंक तथा पूनम ने 78 अंक प्राप्त किए, जबकि एचटेट परीक्षा में संदीप ने 82 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। अब तक करीब 50 से अधिक विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर चुके हैं, जो इस पुस्तकालय की उपयोगिता को दर्शाता है। वर्तमान में भी सैकड़ों विद्यार्थी यहां नियमित रूप से अध्ययन कर रहे हैं और बैंकिंग, एचटेट, सीईटी, यूपीएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शांत व अनुशासित वातावरण में कर रहे हैं। पुस्तकालय का यह माहौल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और निरंतर अध्ययन की प्रेरणा प्रदान कर रहा है। युवाओं की इस सफलता को देखते हुए कहा जा सकता है कि पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन की दूरदर्शी पहल और सतत प्रयासों से 'सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय' केवल एक पुस्तकालय नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है, जहां से अनेक प्रतिभाएं अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो रही हैं।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने छठे लाइनमैन दिवस पर फ्रंटलाइन कार्यबल को किया सम्मानित

66 से अधिक डिस्कॉम और ट्रांसमिशन लाइसेंसधारियों के 250 से अधिक लाइनमैन हुए सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के सहयोगसे नई दिल्ली में 'लाइनमैन दिवस' का छठा संस्करण मनाया गया। लाइनमैन दिवस मनाने का उद्देश्य लाइनमैनों और ग्राउंड मेंटेनेंस स्टाफ के अथकसमर्पण और अमूल्य सेवाओं को मान्यता देना है, जिनका योगदान देश भर में बिजली सेवाओं की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अत्यंतमहत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम में भारत के विद्युत तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने शिरकत की। विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल ने मुख्यभाषण दिया और सीईए के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद और सीईए के सदस्यों के साथ बिजली क्षेत्र के वरिष्ठ नेता और गणमान्य हितधारक भी उपस्थित रहे। पूरे भारत की 66 से अधिक सरकारी और निजी बिजली वितरण एवं उत्पादन कंपनियों के साथ-साथ ट्रांसमिशन लाइसेंसधारियों के लगभग 250लाइनमैनों और पर्यवेक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस सभा ने प्रतिभागियों के बीच सामूहिक सीखने को बढ़ावा देने के साथ-साथ अनुभवसाझा करने, निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने में परिचालन चुनौतियों पर चर्चा करने और सुरक्षा प्रथाओं पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिएएक मंच प्रदान किया। उन्होंने आगे इस बात पर प्रकाश डाला कि स्मार्ट ग्रिड, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम, एआई-सक्षम प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस और ड्रोन-आधारित निरीक्षण जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने से संभावित दोषों की पहले से पहचान करने और फील्ड कर्मियों के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। लाइनमैन दिवस के छठे संस्करण के विषय – 'सेवा, सुरक्षा, स्वाभिमान' – का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह बिजली क्षेत्र के फ्रंटलाइन कार्यबल की सेवा भावना, सुरक्षा और गरिमा को दर्शाता है।

कार्यक्रम में बोलते हुए सीईए, अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक लचीला और भरोसेमंद बिजली क्षेत्र विकसित राष्ट्रका एक प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने उन लाइनमैनों के अथक प्रयासों को स्वीकार किया जो निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चुनौतीपूर्णपरिस्थितियों में काम करते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि लाइनमैन दिवस अब देश भर की यूटिलिटीज की बढ़ती भागीदारी के साथ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन गया है, जो राष्ट्रनिर्माण में लाइनमैनों द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका की बढ़ती पहचान को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सम्मान केसाथ-साथ इन फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए मजबूत सुरक्षा और सशक्तिकरण भी होना चाहिए।

एलपीजी गैस आपूर्ति को लेकर प्रशासन सख्त, कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बुहाना गैस एजेंसी का किया औचक निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

जिले में घरेलू एलपीजी गैस आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों और भ्रांतियों के बीच जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। आमजन को समय पर गैस उपलब्ध करवाने और वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बुहाना स्थित इंडियन ग्रामीण वितरक गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गैस आपूर्ति की पूरी व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. गर्ग ने एजेंसी संचालक से गैस सिलेंडरों के मौजूदा स्टॉक की जानकारी ली और स्टॉक रजिस्टर की जांच की। साथ ही उन्होंने ऑनलाइन बुकिंग की स्थिति और पेंडेंसी के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का दौर है और उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर बुकिंग के बाद लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ना चाहिए। कलेक्टर ने एजेंसी संचालक को निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित की जाए और वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को बिना किसी परेशानी के आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करवाना है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने गैस एजेंसी संचालकों और वेंडरों को सख्त चेतावनी भी दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि घरेलू एलपीजी गैस एक अति आवश्यक सेवा है और इसके वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या कोताही

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कहीं भी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, जमाखोरी या अवैध वितरण की शिकायत सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति या एजेंसी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कहीं गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या अवैध स्टॉक की जानकारी मिलती है तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिले में गैस की आपूर्ति सामान्य है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अफवाहों पर न दें ध्यान, प्रशासन को दें सूचना

कलेक्टर ने आमजन से भी अपील की है कि वे गैस किल्लत जैसी किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। यदि किसी भी क्षेत्र में आपूर्ति से संबंधित समस्या या अनियमितता (जैसे ओवररेटिंग या जबरन देरी) सामने आती है, तो इसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन या रसद विभाग को दी जाए। औचक निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर के साथ बुहाना उपखंड अधिकारी पूनम मीणा और पुलिस वृत्ताधिकारी नोपाराम भी मौजूद रहे।

वर्ल्डकप जीतकर घर लौटे क्रिकेटर्स का जोरदार स्वागत

सूर्या बोले- हमारा अगला टारगेट ओलिंपिक गोल्ड, ईशान ने बच्चों के साथ क्रिकेट खेला

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय प्लेयर्स अपने-अपने घर पहुंच रहे हैं। जहां सभी का जोरदार स्वागत किया जा रहा है। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव, पटना में ईशान किशन और दिल्ली में हेड कोच गौतम गंभीर का ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत हुआ। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा- हमारा अगला गोल है - 2028 में भारत के लिए ओलिंपिक गोल्ड जीतना। उसी साल टी-20 वर्ल्ड कप भी होगा, इसलिए हम टी20 हैट्रिक बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

धोनी आईपीएल 2026 में सभी मैच खेलेंगे

- सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने दिए जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा कि अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आने वाले एडिशन में सभी मैच खेल सकते हैं, साथ ही यह भी कहा कि उनके खेलने के रोल पर आखिरी फैसला टीम मैनेजमेंट करेगा। आईपीएल का 19वां एडिशन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और सभी फ्रेंचाइजी ने इस कैश-रिच इवेंट की तैयारी के लिए अपने ट्रेनिंग कैंप शुरू कर दिए हैं। हाल ही में खत्म हुए टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा रहे खिलाड़ी जल्द ही अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ेंगे और टूर्नामेंट के लिए ट्रेनिंग शुरू करेंगे।
सीएसके के लीजेंड धोनी के आईपीएल 2026 में मेन इन येलो के लिए खेलने के साथ उनकी उम्र को देखते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज के सभी मैचों में हिस्सा लेने को लेकर चिंता थी। हालांकि कासी ने ऐसी सभी चिंताओं को खारिज कर दिया और कहा, मेरे हिसाब से वह सभी मैच खेलेंगे। टीम में अब एक और विकेटकीपर-बैटर सैमसन के होने से टूर्नामेंट में वह क्या रोल निभाएंगे? उन्होंने कहा, यह मैं नहीं कह सकता। यह क्रिकेट का फैसला है जो क्रिकेट स्टाफ लेगा। एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ नहीं। इसलिए वे तय करेंगे कि वह बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे या विकेटकीपर-बैटर के तौर पर, या एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर। देश में शुरू होने वाले चुनावी प्रोसेस को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट का शेड्यूल गुरुवार को घोषित होने की संभावना है। कासी ने कन्फर्म किया कि पांच बार के चैंपियन अपने सभी होम मैच चेन्नई में खेलेंगे।

टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में अर्शदीप पर जुर्माना

- न्यूजीलैंड के मिचेल की ओर गेंद फेंकी थी; मैच फीस का 15 प्रतिशत कटा, डिमेरिट पॉइंट भी मिला

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्डकप 2026 के फाइनल में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचार संहिता के उल्लंघन के कारण जुर्माना लगाया गया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर गेंद फेंकने की घटना के बाद आईसीसी ने उन पर कार्रवाई की। मंगलवार को जारी बयान में अर्शदीप की मैच फीस का 15त्न काटने के साथ उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया। 8 फरवरी को फाइनल में अर्शदीप ने गुस्से में आकर मिचेल की तरफ गेंद फेंकी थी। जो उनके पैड्स पर लगी थी।

लेवल-1 के तहत जुर्माना

यह कार्रवाई आईसीसी की आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन के मामले में की गई। फाइनल मैच रविवार को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था। इसमें भारत ने 96 रन से कीवी टीम को हराकर लगातार दूसरी और ओवरऑल तीसरा टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनी थी।

मिचेल की कोहनी पर बॉल लगी

न्यूजीलैंड की पारी के 11वें ओवर में अर्शदीप ने अपने फॉलो थ्रू में गेंद फील्ड की और वापस फेंकी, जो बल्लेबाज डेरिल मिचेल को लग गई। इसे आईसीसी आचार संहिता के आर्टिकल 2.9 का उल्लंघन माना गया। इस नियम में मैच के दौरान किसी खिलाड़ी की ओर अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद या अन्य उपकरण फेंकने को गलत माना

- **एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला-** जुर्माने के साथ अर्शदीप के अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। पिछले 24 महीनों में यह उनका पहला मामला है। मैदान पर मौजूद अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ, थर्ड अंपायर अलाउद्दीन पलेकर और फोर्थ अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने यह आरोप लगाया था। मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने जो सजा प्रस्तावित की, उसे अर्शदीप ने स्वीकार कर लिया।

भारत सिर्फ घरेलू पिचों पर 200+ रन नहीं बनाता: कोच गंभीर

- लग गया था कि संजू बेहतर करेगा, आंकड़े नहीं, अंतरात्मा की आवाज पर चलता हूं

मेरा काम सुपरस्टार नहीं, सुपर टीम बनाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने कई मुद्दों पर बात की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने भारतीय पिचों पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि टी-20 बैटर्स का खेल है और भारत ने विदेशों में भी 200 से ज्यादा स्कोर बनाया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका में भी ऐसा स्कोर बनाया है। टीम इंडिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ भारत तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बन गया और साथ ही टाइटल डिफेंड करने वाला पहला देश भी बन गया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी कोचिंग फिलॉसफी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य टीम में सुपरस्टार बनाना नहीं बल्कि एक मजबूत सुपर टीम तैयार करना है।

गंभीर ने अपनी कार्यशैली पर बात करते हुए कहा कि वह फैसले लेते समय डेटा से ज्यादा अपनी समझ और अंतरात्मा की आवाज पर भरोसा करते हैं। उन्होंने संजू सैमसन को लगातार मौका देने की वजह, अपनी नियुक्ति और टीम के भविष्य पर भी चर्चा की। साथ ही पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद के ट्रॉफी को मंदिर ले जाने पर दिए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई।

'भारत में विकेट तैयार करने का आरोप गलत'

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पिचों को लेकर उठे सवालों पर टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि भारत अपने फायदे के लिए पिच तैयार करता है, यह आरोप गलत है और अक्सर ऐसे बयान विवाद और टीआरपी के लिए दिए जाते हैं। गंभीर के मुताबिक टी-20 क्रिकेट अब बैटर्स का खेल बन चुका है और दुनियाभर में बड़े स्कोर बन रहे हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसे देशों में भी 200 से ज्यादा रन बनाए हैं, इसलिए इसे सिर्फ घरेलू पिचों से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में पिचों की जिम्मेदारी इंटरनेशन क्रिकेट काउंसिल की होती है, बीसीसीआई की नहीं। इसलिए भारत के लिए विकेट तैयार करने का सवाल ही नहीं उठता। गंभीर ने कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने वहां करीब 180 रन बनाए थे, जबकि बाकी टीमें उसी पिच पर करीब 140 रन तक ही पहुंच सकीं, लेकिन तब किसी ने पिच पर सवाल नहीं उठाए। टी-20 मैच में दर्शक बड़े स्कोर देखना चाहते हैं। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका में भी हाई स्कोरिंग मैच आम हो गए हैं।

डेटा नहीं, अपनी समझ पर भरोसा करता हूं

गंभीर का कहना है, 'कोच के तौर पर फैसले लेते समय मैं डेटा से ज्यादा अपनी समझ पर भरोसा करता हूं। हर कोच की टीम को लेकर अपनी अलग सोच और नजरिया होता है।' गंभीर ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि कोई फैसला टीम के लिए सही है तो उस पर कायम रहता हूं और गलत साबित होने पर जिम्मेदारी भी स्वीकारता हूं। टीम का खेल, व्यवहार और माहौल मेरी अपनी सोच और विजन का हिस्सा है, जबकि भविष्य में आने वाला कोच अपनी सोच के साथ टीम को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर मैं वीवीएस लक्ष्मण और अजीत अगरकर जैसे अनुभवी लोगों से क्रिकेट पर चर्चा करता हूं।

जसप्रीत बुमराह टी-20 कम, वनडे ज्यादा खेलेंगे

2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी पर रहेगा फोकस, वर्कलोड मैनेज करेगा बोर्ड

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब टी-20 सीरीज कम खेलेंगे। वे 2027 वर्ल्ड कप तक ज्यादा वनडे मैच खेलेंगे। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बना रहे हैं। ताकि 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी बेहतर हो सके। बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अगले कुछ समय में द्विपक्षीय टी20 सीरीज में बुमराह को कम मौके दिए जा सकते हैं।

बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद वनडे नहीं खेला- बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद कोई वनडे मैच नहीं खेला है। पिछली बार वे वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वनडे क्रिकेट खेलने उतरे थे।

2027 वर्ल्डकप तक टी-20 की प्राथमिकता कम- अक्टूबर-नवंबर 2027 तक टी20 इंटरनेशनल टीम के लिए कम प्राथमिकता वाला फॉर्मेट माना जा रहा है। इसी दौरान जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर सकते हैं। अब आईसीसी का अगला टूर्नामेंट 2027 का वनडे वर्ल्डकप होगा। उसी साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का

फाइनल भी खेला जाएगा। 2028 में अगला टी-20 वर्ल्ड कप, ओलिंपिक गेम्स और चैंपियंस ट्रॉफी शेड्यूल्ड हैं।

आईपीएल के बाद तैयार होगी रणनीति- आईपीएल के बाद सिलेक्शन कमेटी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। आईपीएल में बुमराह मुंबई इंडियंस के पेस अटैक की अगुआई करने वाले हैं।

बड़े टूर्नामेंट में बुमराह की फिटनेस अहम

भारत के बड़े टूर्नामेंट अभियानों में बुमराह की फिटनेस बेहद अहम रहती है। ऐसे में उनके मैचों और फॉर्मेट को लेकर काफी सावधानी बरती जाएगी। बुमराह पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के टॉप विकेट टेकर रहे हैं। उन्होंने 14 विकेट झटके। वे अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ प्लेयर ऑफ द फाइनल भी चुने गए थे।

इम्तियाज अली की 'हीर रांझा' में नजर आएंगी सारा अर्जुन

इम्तियाज अली ने 14 फरवरी के दिन हीर रांझा फिल्म का ऐलान किया था। इसके अनाउंसमेंट वीडियो में हमें लैला मजनू की झलकियां देखने को मिली थी। लेकिन साथ ही हीर रांझा का भी कनेक्शन दिखाई दिया था। अब फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं और इसकी कास्ट को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं।

'लैला मजनू' का पार्ट 2

'हीर रांझा' फिल्म मशहूर पंजाबी लोककथा पर आधारित एक भव्य रोमांटिक कहानी होगी। इस प्रोजेक्ट के साथ दोनों भाई एक बार फिर एपिक लव स्टोरी की दुनिया में लौट रहे हैं। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस करेंगी, जो इससे पहले इम्तियाज और साजिद के साथ 'लैला मजनू' में काम कर चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'हीर रांझा' को 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा चैप्टर माना जा रहा है, जो लव स्टोरी के पार्ट को आगे बढ़ाएगा। फिल्म की घोषणा के बाद से ही कास्टिंग को लेकर चर्चाएं तेज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर फेम सारा अर्जुन इस फिल्म में फीमेल लीड के लिए सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स एक फ्रेश चेहरे की तलाश में हैं और सारा इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। बता दें कि 2025 में आई आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' से सारा ने खास पहचान बनाई थी और अब वह इंडस्ट्री की उभरती हुई टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में गिनी जा रही हैं।

कौन होगा मेल लीड?

वहीं, मेल लीड के लिए रोहित सराफ का नाम चर्चा में है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अगर रोहित और सारा की जोड़ी बनती है तो उन्हें बड़े पर्दे पर रोमांस करते देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल कास्टिंग प्रक्रिया जारी है।

मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई

फिल्मी दुनिया में कलाकारों की चमक-दमक अक्सर लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस चमक के पीछे कड़ा संघर्ष छिपा होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने करियर, बचपन और निजी अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर वे कभी समझौता नहीं कर सकतीं। भूमि पेडनेकर हाल ही में वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने 'वुमन ऑफ इम्पैक्ट' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने जीवन के कई अहम पहलुओं पर बात की। उन्होंने कहा, ''जब मैं सिर्फ 12 साल की थीं, तभी मैंने अपनी मां को साफ कह दिया था कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। उस उम्र में यह सपना बहुत बड़ा था, लेकिन मैंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं। मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। आज मैं अपनी दमदार भूमिकाओं और मजबूत अभिनय के लिए जानी जाती हूं।'' कार्यक्रम के दौरान भूमि ने अपने स्कूल के दिनों की एक ऐसी घटना भी साझा की, जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, ''एक दिन जब मैं अपनी कक्षा में लौटीं तो मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर मेरे शरीर को लेकर मजाकिया और अपमानजनक शब्द लिखे थे। उस समय मैं बहुत छोटी थी और ऐसी बातें मेरे मन पर गहरा असर डाल गईं।'' उन्होंने कहा, ''कम उम्र में इस तरह की छींटाकशी और बदमाशी बच्चों को डर और असुरक्षा का एहसास कराती है। यह अनुभव मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने समय के साथ खुद को मजबूत बनाया।''

भूमि ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी भूमिका का हिस्सा नहीं बनूंगी जिसमें महिलाओं के प्रति अपमान हो। मेरे लिए आत्मसम्मान और महिलाओं का सम्मान सबसे अहम है। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहती, जहां महिला किरदार को कमजोर या कमतर दिखाया जाए। मैं ऐसे भी किरदार निभाना पसंद नहीं करती जिनमें करने के लिए बहुत कम हो। मैंने अपने करियर में बहुत मेहनत करके एक ऐसी पहचान बनाई है जो उनके अभिनय पर आधारित है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझसे मजबूत और प्रभावशाली भूमिकाओं की ही उम्मीद रखें।''

अनुभव सिन्हा ने की अहान-अनीत की तारीफ

अपनी फिल्मों में सामाजिक मुद्दों को उठाने वाले निर्देशक अनुभव सिन्हा इन दिनों अपनी हालिया फिल्म 'अस्सी' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को पसंद किया जा रहा है और क्रिटिक्स से लेकर दर्शक तक इसकी कहानी की तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच अनुभव सिन्हा ने दो रोमांटिक फिल्मों 'सैयारा' और 'तेरे इश्क में' को लेकर अपनी राय रखी। साथ ही उन्होंने अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए सितारों की भी जमकर तारीफ की।जूम के साथ बातचीत में अनुभव सिन्हा ने 'सैयारा' की तारीफ करते हुए बताया कि किस बात ने उन्हें इस फिल्म के लिए आकर्षित किया। निर्देशक ने कहा कि ये दोनों बच्चे बहुत अच्छे हैं। अहान और अनीत, और उनकी फिल्म 'सैयारा' बहुत पसंद आई। दोनों कलाकार बेहद ईमानदार और सच्चे थे और वे दोनों एक ही फिल्म में इतना विश्वास रखते थे।
इस दौरान अनुभव सिन्हा ने बताया कि उन्होंने रणवीर सिंह की 'धुरंधर', कृति सैनन की 'तेरे इश्क में' और सनी देओल की 'बॉर्डर 2' सहित हाल ही में रिलीज हुई ये तीनों फिल्में देखी हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि मैं विभिन्न शहरों का दौरा कर रहा था, इसलिए मैं विभिन्न सिनेमा हॉल में जाता था और 15-20 मिनट के लिए बैठकर फिल्म देखता था। इसलिए मैंने 'धुरंधर' के लगभग 5-20 मिनट देखे हैं। 'तेरे इश्क में' मैंने इसे भोपाल के एक थिएटर में देखी और 'बॉर्डर 2' मैंने हैदराबाद में देखी।

विद्या बालन की फिल्मों ने मेरा सोचने का तरीका बदल दिया

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं। अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

मधुबाला की बायोपिक में अनीत पड्डा निभाएंगी प्रमुख भूमिका?

सामने आई सच्चाई, नेटिजेंस ने की तृप्ति डिमरी की मांग

लेजेंडरी एक्ट्रेस मधुबाला की बायोपिक को लेकर इन दिनों लगातार चर्चाएं चल रही हैं। पहले ऐसी खबरें आईं कि कियारा आडवाणी इस फिल्म में प्रमुख भूमिका निभाएंगी, लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद अब अनीत पड्डा के मधुबाला के किरदार को पर्दे पर उतारने की चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि, अब अनीत पड्डा के फिल्म में होने की खबरों पर इंडस्ट्री से बड़ी जानकारी सामने आ रही है। वहीं इन दोनों अभिनेत्रियों से इतर फैंस मधुबाला के किरदार में किसी और एक्ट्रेस को देखना चाहते हैं। जानिए फैंस किस एक्ट्रेस की कर रहे डिमांड और अनीत पड्डा को लेकर सामने आई क्या सच्चाई?

अनीत पड्डा के मधुबाला का किरदार निभाने की खबरें गलत: कियारा आडवाणी के मधुबाला के किरदार में होने की इस अफवाह का खंडन किया था। अब फिल्मफेयर की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 'सैयारा' स्टार अनीत पड्डा को मधुबाला की बायोपिक के लिए साइन कर लिया गया है और जल्द ही शूटिंग शुरू होगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मेकर्स जल्द ही कास्टिंग की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन अब इंडस्ट्री सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। एक सूत्र ने साफ किया कि अनीत पड्डा का नाम मधुबाला की बायोपिक से जोड़ना एकदम गलत है। सोर्स ने कहा, 'अनीत पड्डा को लेकर जो भी खबरें उड़ रही हैं, उनमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।'

फैंस ने की तृप्ति डिमरी की मांग: अनीत पड्डा का नाम सामने आने के बाद एक ओर जहां कुछ प्रशंसकों ने इस पर खुशी जताई, तो वहीं कई फैंस अनीत की कास्टिंग की खबरों से नाखुश दिखे। प्रशंसकों का एक समूह यह भी मानता है कि मधुबाला की बायोपिक के लिए तृप्ति डिमरी एक अच्छा विकल्प होतीं। एक यूजर ने कहा, 'नए कलाकारों में से मुझे लगता है कि सिर्फ तृप्ति डिमरी ही इस भूमिका को निभा सकती हैं। उनमें वो मासूमियत और अभिनय क्षमता है।' एक ने कहा कि तृप्ति अपनी आंखों से अभिनय कर सकती हैं और खामोशी में भी पूरे फ्रेम को थामे रख सकती हैं। मुझे लगता है कि मधुबाला का किरदार निभाने के लिए यह जरूरी है। मधुबाला के मामले में सब कुछ आंखों और उनमें छिपे दर्द, खुशी और भावनाओं के बारे में है। एक अन्य प्रशंसक ने भी तृप्ति के फिल्म में होने का समर्थन करते हुए कहा कि तृप्ति डिमरी मधुबाला की बायोपिक के लिए एकदम सही रहेंगी।

भारतीय सिनेमा का बड़ा नाम हैं मधुबाला: मधुबाला इंडियन सिनेमा का एक बहुत बड़ा नाम हैं, इसलिए इन अफवाहों ने फिल्म प्रेमियों के बीच काफी हलचल मचा दी थी। पर सूबत्र ने फिर से जोर देकर कहा कि अनीत पड्डा के प्रोजेक्ट से जुड़ने की बात सिर्फ एक अफवाह है और फिलहाल ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन 'डार्लिंग्स' फेम जसमीत के. रीन कर रहे हैं। यह भी कहा जा रहा था कि फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहे हैं।

थलापति विजय और तृषा कृष्णन की पर्सनल लाइफ को लेकर हंगामा क्यों? खुशबू सुंदर ने जताई नाराजगी

साउथ एक्टर थलापति विजय और तृषा कृष्णन इन दिनों सुर्खियों में हैं। दरअसल, पत्नी संगीता सोरनलिंगम संग तलाक की खबरों के बीच विजय, तृषा के साथ एक वेडिंग रिसेप्शन में गए, जिसके बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। लोगों ने दोनों का नाम जोड़ना शुरू कर दिया। इस पूरे मामले पर अब साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और राजनेता खुशबू सुंदर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'किसी भी कलाकार की निजी जिंदगी को लेकर इस तरह का हंगामा करना ठीक नहीं है। हर इंसान की अपनी निजी जिंदगी होती है और जब तक उस निजी जिंदगी से समाज या आम लोगों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ रहा, तब तक उसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए।'

जब खुशबू सुंदर से सवाल किया गया कि तमिलनाडु में इस समय चुनावी माहौल बन रहा है और इसी बीच अभिनेता विजय को तृषा कृष्णन के साथ एक कार्यक्रम में देखा गया है। ऐसे में क्या इस घटना का राजनीति या लोगों की सोच पर कोई असर पड़ सकता है। इस सवाल के जवाब में खुशबू ने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि लोगों को इस तरह की बातों में इतनी दिलचस्पी क्यों होती है। यह दोनों कलाकारों की निजी जिंदगी का मामला है और इसका आम लोगों से कोई लेना-देना नहीं है।'

खुशबू सुंदर ने आगे कहा, 'अगर किसी की निजी जिंदगी से समाज या जनता प्रभावित होती, तो उस पर चर्चा करना समझ में आता, लेकिन जब किसी की व्यक्तिगत जिंदगी से किसी को नुकसान नहीं हो रहा है, तो उसे बड़ा विवाद बनाने का कोई मतलब नहीं है। लोग अक्सर कलाकारों की निजी जिंदगी को लेकर बहुत ज्यादा उत्सुक हो जाते हैं, जबकि हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी जीने का अधिकार है।'

बातचीत के दौरान खुशबू सुंदर से एक और सवाल पूछा गया कि क्या इस तरह की चर्चाओं से विजय की लोकप्रियता पर असर पड़ सकता है, खासकर तब जब वह फिल्मों के साथ-साथ राजनीति में भी सक्रिय हैं। इस पर खुशबू ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इससे विजय की छवि या लोकप्रियता पर कोई असर पड़ेगा। जनता बहुत समझदार होती है और वोट देते समय सही फैसला करती है। लोग जानते हैं कि उन्हें कब और किसे वोट देना है, इसलिए किसी अभिनेता की निजी जिंदगी से उसकी राजनीतिक स्थिति जरूरी नहीं कि प्रभावित हो।'

उन्होंने आगे कहा, 'चाहे कोई व्यक्ति बड़ा अभिनेता हो या नेता, आखिरकार वह भी एक इंसान ही होता है। एक इंसान की अपनी निजी जिंदगी होती है और उसे भी उसी तरह जीने का अधिकार है जैसे किसी आम व्यक्ति को होता है। इसलिए किसी के निजी रिश्तों या व्यक्तिगत जीवन को लेकर ज्यादा चर्चा करना सही नहीं है।'

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की 'रणबाली' की पृष्ठभूमि 1876-78 के समयकाल पर आधारित

नवविवाहित कपल विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म 'रणबाली' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह हिस्टोरिकल ड्रामा भारत के अतीत की अनसुनी कहानियों को बड़े पर्दे पर दिखाएगी। फिल्म की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और विषयवस्तु सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। रणबाली की पृष्ठभूमि 1876-78 के समयकाल पर आधारित है। हालांकि, फिल्म की कहानी को लेकर अभी भी कुछ साफ नहीं है।

इस विषय से जुड़ी है 'रणबाली': विजय-रश्मिका की शादी के बाद मेकर्स ने 'रणबाली' का पहला स्पेशल गाना रिलीज किया था। इसमें विजय-रश्मिका के बीच की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली थी। इसके बाद से ही फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'रणबाली' की पृष्ठभूमि 1876-78 का विनाशकारी अकाल है, जो ब्रिटिश शासनकाल की सबसे घातक त्रासदियों में से एक है। रायलसीमा सहित दक्षिण भारत के बड़े हिस्से बार-बार पड़ने वाले सूखे से बुरी तरह प्रभावित हुए, जिससे कृषि समुदाय कमजोर हो गए थे। 1876 में मानसून विफल होने पर, पूरे क्षेत्र में भुखमरी तेजी से फैल गई थी।

अकाल के समय ऐसी हुई थी हालत

ऐतिहासिक कहानियों से पता चलता है कि संकट के दौरान भारत से अनाज का निर्यात जारी रहा, जबकि ब्रिटिश अधिकारी सर रिचर्ड टेंपल द्वारा शुरू किए गए राहत कार्यों में कई कठोर नियम भी लागू किए गए। साथ ही न्यूनतम राशन वाले अकाल शिविर स्थापित किए गए। माना जाता है कि अकेले रायलसीमा में लगभग सात लाख लोगों की मौत हुई, जबकि पूरे देश में लाखों लोग मारे गए। कहा जाता है कि यह फिल्म अकालग्रस्त क्षेत्रों में उभरे असंगठित विद्रोहों की पड़ताल करती है। क्षेत्रीय लोककथाओं के अनुसार, हताश समुदायों ने संचित अनाज पर छापा मारा, भारी करों का विरोध किया और अस्तित्व के लिए संघर्ष किया। हालांकि, इनमें से कई घटनाओं को औपनिवेशिक अभिलेखों में आपराधिक कृत्यों के रूप में दर्ज किया गया था, स्थानीय कथाएं इन्हें अत्यधिक कठिनाई से पैदा हुए बदले के रूप में याद करती हैं।

11 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

राहुल सांकृत्यान द्वारा निर्देशित 'रणबाली' में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में इंटरनेशनल एक्टर अर्नोल्ड वोस्लू भी हैं। 'रणबाली' इसी साल 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में शादी के बाद विजय-रश्मिका पहली बार साथ नजर आएंगे।

मिडलाइफ कोई संकट नहीं बल्कि महिला की असली ताकत का उदय है : लिसा रे

मुंबई फिल्म 'कसूर' से भारतीय सिनेमा में लोकप्रियता हासिल करने वाली कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अब भले ही स्क्रीन पर दिखाई नहीं देती हैं, लेकिन वे सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं के स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर बात करती रहती हैं। लिसा रे ने मंगलवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर विचार व्यक्त किए। इस पोस्ट में उन्होंने मिडलाइफ के बारे में अपने भाव व्यक्त किए। अभिनेत्री ने लिखा, 'जब शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन कम होने लगता है, तो कई बदलाव आते हैं। लोग अब दूसरों को खुश करने की पुरानी आदत छोड़ देते हैं। खुद पर शक करना कम हो जाता है और मन की शांति सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगती है। वहीं, अपनी बनाई गई सीमाएं और नियम मजबूत होने लगते हैं।' लिसा ने लिखा, 'मिडलाइफ वह दौर है, जब हार्मोन के बदलाव के साथ-साथ जिंदगी की बेकार चीजें भी दूर हो जाती हैं। अब कम माफी मांगते हैं, कम खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। अपनी कीमत खुद समझ आती है। जरूरत पड़ने पर साफ 'ना' कहना आसान हो जाता है और जीवन ज्यादा सुकून से जीने लगता है।'

अपनी बात को खत्म करते हुए अभिनेत्री ने लिखा कि मिडलाइफ कोई संकट या क्राइसिस नहीं है, बल्कि यह वह खास समय है, जब महिला अपनी असली ताकत के साथ जीना शुरू करती है। यह जीवन की कहानी का दूसरा हिस्सा होता है, जो आखिरकार पूरी तरह उसका अपना होता है। सच तो यह है कि महिलाओं की जिंदगी का यह सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली दौर होता है। लिसा रे 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने साल 1994 में फिल्म 'हंसते खेलते' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था, लेकिन असल पहचान उन्हें फिल्म कसूर से मिली थी। इसके बाद वे 'वाटर' और 'आई कांट थिंक स्ट्रेट' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। हालांकि, कॅरियर के पीक पर ही उन्हें कैंसर हो गया था और उन्होंने फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। हालांकि अब वह ठीक हैं और उन्होंने कैंसर से जंग जीत ली है।

पर्दे पर लौटेगी उदय शेट्टी और मजनू भाई की जोड़ी, मेकर्स ने कंफर्म की 'वेलकम 4', इंटरनेशनल लेवल पर बनेगी फिल्म

'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म लंबे समय से अटकी हुई है। इसके इस साल रिलीज होने की उम्मीद है, लेकिन अब 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज से पहले 'वेलकम 4' को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। मेकर्स ने 'वेलकम 4' की पुष्टि कर दी है। इसके बाद अब फैंस को उम्मीद है कि इस फिल्म में उन्हें उदय और मजनूं यानी नाना पाटेकर और अनिल कपूर की जोड़ी फिर से नजर आ सकती है।

इंटरनेशनल प्रोजेक्ट होगी 'वेलकम 4': फ्रेंचाइजी के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने ये कन्फर्म किया है कि 'वेलकम 4' बन रही है। उन्होंने बताया कि अगले अध्याय पर काम शुरू हो चुका है और स्क्रिप्ट फिलहाल अंतिम चरण में है। एक बातचीत में फिरोज नाडियाडवाला ने बताया कि चौथी फिल्म अपने पहले की फिल्मों से कहीं अधिक भव्य होगी। उन्होंने कहा कि हम स्क्रिप्ट के अंतिम चरणों में हैं। हम जिस संगीत और एक्शन की योजना बना रहे हैं, वह बहुत बड़ा होगा। हम मल्टीकल्चरल म्यूजिक पर काम कर रहे हैं। इसमें मिडिल ईस्ट, अफ्रीका, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे क्षेत्रों की प्रतिभाएं एक साथ आ रही हैं।

मजनूं भाई और उदय शेट्टी की हो सकती है वापसी

इस दौरान निर्माता ने एक ऐसी कहानी का भी संकेत दिया, जिसमें कई विलेन हो सकते हैं। इससे फ्रेंचाइजी के प्रतिष्ठत किरदारों के लिए चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। नाडियाडवाला ने कहा कि उदय भाई, मजनूं भाई और डॉ. घुंघरू जैसे किरदारों का री-यूनियन, साथ ही एक से अधिक डॉन की मौजूदगी, पर्दे पर धमाकेदार अनुभव करा सकती है।

बनकर तैयार है 'वेलकम टू द जंगल'

फिरोड नाडियाडवाला ने 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज में हो रही देरी पर भी बात की। अफवाहों को खारिज करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि फिल्म पूरी हो चुकी है।

इस मल्टीस्टारर फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2007 में 'वेलकम' से हुई थी। फिर 'वेलकम बैक' आई, जिसमें जॉन अब्राहम की एंट्री हुई, जबकि अक्षय कुमार फिल्म से बाहर हो गए। अब तीसरी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय की वापसी हुई है, लेकिन नाना पाटेकर इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, इस बार फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। 'वेलकम टू द जंगल' 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

प्रधानमंत्री कहां हैं? एलपीजी की कमी पर ध्यान देने के बजाए वे चुनाव रैलियां कर रहे हैं- राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में रैलियां करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और उनसे व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर ध्यान देने की मांग की। संजय राउत ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कहां हैं? वे केरल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और वे अपने विरोधियों के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। राउत ने कहा कि पीएम मोदी ईरान-इजराइल संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कमी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह स्थिति लोगों में भय पैदा कर रही है। होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं। मोदी सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ऐसे नेतृत्व के हाथों में है। यह घटनाक्रम गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी की जनसभाओं के बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार भारतीयों के हितों को सर्वोपरि रखने के उसी दृष्टिकोण का पालन करेगी और घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरुरत नहीं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है। हम इंडिया फर्स्ट की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। बता दें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है, जिसके बाद केंद्र ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देते हुए जरुरी वस्तु अधिनियम लागू किया है।

टल गया बड़ा संकट...कुकी समुदाय ने नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों बातचीत के बाद छोड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में कुकी समुदाय के ग्रामीणों और सशस्त्र लोगों द्वारा हिरासत में लिए गए नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों को बातचीत के बाद छोड़ दिया गया। इंफाल पुलिस अधिकारी ने बताया कि उखरुल-इम्फाल मार्ग पर तीन वाहनों में यात्रा कर रहे तंगखुल नागा समुदाय के नागरिकों को शांगकाई में कुकी गांव वालों और हथियारबंद लोगों ने बंधक बनाया था। राज्य सरकार के अधिकारियों और नागा एवं कुकी समुदायों के नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के नेताओं के बीच गहन बातचीत और विचार-विमर्श के बाद सुबह बंधकों को रिहा किया गया। रिहाई के बाद नागरिकों को लिटान पुलिस स्टेशन ले जाया गया और बाद में उन्हें उनके परिवारों से मिला दिया गया। 21 लोगों को बंधक बनाने के कारण तंगखुल नागा बहुल उखरुल जिले में विशेष रूप से कुकी बहुल कांगपोकपी जिले से सटे इलाकों में तनाव बना रहा। सुरक्षा बलों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तलाशी और क्षेत्र नियंत्रण अभियान चलाए। इसके पहले मणिपुर में तंगखुल नागाओं की सर्वोच्च संस्था, तंगखुल नागा लोंग (कार्यकारी समिति) ने उखरुल जिले के कुकी-बहुल गांव शांगकाई में हिरासत में लिए गए 20 से अधिक नागा नागरिकों की सुरक्षित रिहाई की मांग करते हुए दो घंटे का अल्टीमेटम जारी किया था। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नागा जनजाति है और मुख्य रूप से राज्य के पांच से छह जिलों में पाई जाती है।

एलपीजी संकट पर कांग्रेस पर हमलावार कंगना.... जनता को गुमराह करने की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी संकट को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रानोत ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर निशाना साधकर कहा कि जनता को गुमराह करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है, लेकिन भारत में लगातार नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। रनौत ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को कथित एलपीजी संकट से उसी तरह बाहर निकलने वाले हैं, जैसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान देश का नेतृत्व किया था। मंडी से सांसद कंगना रनौत ने कहा कि एलपीजी की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार ने पूर्ण आश्वासन दिया है, लेकिन विपक्ष दहशत फैलाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत लगातार प्रगति कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। विपक्ष का आरोप है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी की कमी की स्थिति पैदा हो रही है और इस पर संसद में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी की

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पर ईरान-इस्राइल युद्ध का असर दिख रहा है। अब उड़ानें महंगी हो गई हैं। घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ा हुआ सरचार्ज आज यानी गुरुवार से लागू हो गया है। अन्य एयरलाइंस की ओर से इस लेकर तैयारियां चल रही हैं। सरचार्ज बढ़ोत्तरी के बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 1200 रुपये तक अधिक चुकाना पड़ सकता है। खाड़ी संकट ने लोगों के जीवन पर अब खासा असर डालना शुरू किया है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले और पलटवार ने खाड़ी देशों में तनाव को भड़का दिया है। इस युद्ध के कारण तेल-गैस को लेकर देश में पैनिक जैसी स्थिति है। वहीं, अब एयर ट्रैवल भी महंगा होता जा रहा है। इराक का एयरस्पेस पूरी तरह बंद किए जाने से अमेरिका यूरोप की कनेक्टिंग फ्लाइट के भी काफी महंगी होने के आसार हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर तैनात एक एयरलाइंस के अधिकारी के अनुसार, युद्ध के बाद भी इराक के एक सिरे से होते हुए इंटरनेशनल फ्लाइट्स जा रही थीं।

गुजरात आ रहे जहाज पर ईरानी हमलों के बाद भड़का भारत कहा- अब ऐसी घटनाएं न हों

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य में थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज पर हुए हमले के बाद भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की बढ़ती घटनाओं पर भारत ने गहरी चिंता जताते हुए इन हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। यह विवाद तब गहराया जब गुजरात के कांडला बंदरगाह की ओर आ रहे एक जहाज मयूरी नारी पर ईरानी सेना के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) द्वारा हमला किए जाने की खबर आई।

विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि भारत वाणिज्यिक जहाजों को सैन्य संघर्ष का हिस्सा बनाने की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय के अनुसार, 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज मयूरी नारी पर हमला हुआ, जो भारत के कांडला आ रहा था। अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि इन संघर्षों में अब तक

कई भारतीय नागरिकों सहित कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है। हमलों की बढ़ती तीव्रता और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर भारत ने स्पष्ट किया कि निर्दोष नागरिकों को खतरे में डालना अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है।

रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर गोले दागे गए। थाईलैंड के ध्वज वाले जहाज मयूरी नारी ने बुधवार सुबह संयुक्त अरब अमीरात के खलीफा बंदरगाह से अपनी यात्रा शुरू की थी। सुबह करीब 11 बजे इस पर हमला हुआ। रॉयल थाई नेवी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चालक दल के 20 सदस्यों को बचाकर ओमान पहुँचाया है, जबकि तीन अन्य सदस्यों की तलाश अभी भी जारी है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारा है, जहाँ से वैश्विक कच्चे तेल की 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। इन हमलों के कारण यह मार्ग बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ सकता है। इस बीच, भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि हालिया संकट के दौरान एक पोत पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हुई है और एक लापता है। वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनके साथ भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस क्षेत्र के विभिन्न देशों के नेताओं और अपने समकक्षों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं ताकि स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके।

महाराष्ट्र में विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, मीडिया को नहीं जाने दिया अंदर

-गहन तलाशी के बाद झूठी निकली धमकी, ईमेल भेजने वाली की तलाश शुरु

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा परिसर, विधान भवन को उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल के बाद गुरुवार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिसके चलते बजट सत्र के दौरान जांच शुरू होने तक मीडियाकर्मियों और आम जनता को अंदर नहीं जाने दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को अधिकारियों को एक चिंताजनक ईमेल मिला, जिसमें दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित विधान भवन में बम विस्फोट की स्पष्ट चेतावनी दी गई थी। राज्य विधानसभा और विधान परिषद में गरमागरम राजनीतिक बहसों के बीच बजट पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श चल रहा था। अंदर मौजूद विधायक कड़ी निगरानी में कार्यवाही जारी रखे रहे, शुरुआत में उन्हें बाहरी अराजकता की जानकारी नहीं थी, क्योंकि इस खतरे ने महाराष्ट्र की विधायी संस्था के केंद्र में स्थित इस प्रतिष्ठित भवन में सामान्य आवागमन को बाधित कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक विधान भवन में बम निरोधक दस्ते ने गहन तलाशी के बाद परिसर को सुरक्षित घोषित कर दिया और धमकी को झूठी बताया। अब धमकी भरा ईमेल भेजने वाले व्यक्ति को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सदन की कार्यवाही सुबह 11:00 बजे फिर शुरू हुई, जिससे बजट सत्र बिना किसी देरी के जारी रहा। महाराष्ट्र के गृह मंत्री पंकज भोइर ने खुलासा किया कि गुरुवार सुबह 6:27 बजे विधान भवन, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और हाईकोर्ट को निशाना बनाते हुए बम विस्फोट की चेतावनी वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच से पता चलता है कि ईमेल फर्जी था।

आंध्र प्रदेश के घरों में खौल रही सफेद मौत, मिलावटी दूध से अब तक 12 की गई जान

-इस घटना ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया, दूध विक्रेता हिरासत में जांच शुरु

गोदावरी (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के अस्पताल के वार्डों में तड़पते बुजुर्ग, पेशाब रुकने से फूलते शरीर और उल्टियों के बीच अपनी आखिरी सांसें गिनते मासूमों ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया है। यह सब बुरे सपने से कम नहीं है। जहां सुबह की चाय और बच्चों का दूध धीमा जहर बनकर घरों में दाखिल हुआ। वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से निकले उस मिलावटी दूध ने देखते ही देखते 12 घरों के चिराग बुझा दिए। यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि नृशंस सामूहिक हत्या जैसा है, जहां मुनाफे के लालच में दूध में घातक रसायन मिलाया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस खौफनाक कांड ने साबित कर दिया है कि हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आज 12 मौतें हुई हैं, लेकिन सवाल यह है कि इस वक्त कितने और घरों में यह सफेद मौत घूम रही है? पूरा इलाका श्मशान जैसी शांति और गहरे तनाव की चपेट में है, जहां हर दरवाजा खटखटाने वाला दूधवाला अब एक कातिल नजर आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इस समूह की पहचान सबसे पहले 22 फरवरी को हुई थी, जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के चलते अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई विभागों में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नैदानिक ??जांच में रक्त में यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया, जो विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का संकेत देता है। शुरूआती जांच से पता चला है कि कोरुकोंडा मंडल के नरसपुरम गांव में स्थित वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से 106 परिवारों को आपूर्ति किया जाने वाला दूध इसका स्रोत हो सकता है। आपूर्ति तुरंत रोक दी गई है। इलाके में आपातकालीन चिकित्सा शिविर स्थापित किये गए हैं और चिकित्सकों और विशेषज्ञों का एक दल तैनात किया गया है। डेरी से आवश्यक नमूने लिए गए हैं और संदिग्ध दूध विक्रेता अड्डाला गणेश्वरराव (33) को हिरासत में लिया है। डेरी को सील कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनसंख्या दर में भारी गिरावट के कारण जापान से भी ज्यादा बुरे हालात में सिक्किम

भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश कम फर्टिलिटी दर को लेकर परेशान है। इसका बड़ा कारण है कि भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी। तब 60 साल से अधिक उम्र वालों की तादाद कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत होगा है। आजादी के 100वें साल तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग हो जाएंगे। सबसे बड़ी चुनौती सिक्किम में है। वहां जापान से भी बच्चे कम पैदा हो रहे हैं। सरकार करीब 4 बरस से प्रयास कर रही है, पर हालात नहीं सुधर रहे। देश की कुल जन्म दर (टीएफआर) 2.1 के स्थिर स्तर के मुकाबले 1.9-2.0 के बीच है, जबकि सिक्किम में यह बेहद निचले स्तर 1.1 तक पहुंच गई है। इसका मतलब है कि औसतन हर महिला 1.1 बच्चे को जन्म दे रही है। 2005-06 में यह 2.0 थी, 2015-16 में 1.2 और 2025-26 में 1.1 तक आ गई। इस गिरावट के चलते सिक्किम का हाल जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से

भी गंभीर हो गया है। अब सरकार नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूशन के साथ साझेदारी कर यह समझने की कोशिश कर रही है कि फर्टिलिटी क्यों कम हो रही है। सिक्किम जैसी स्थिति दुनिया के कई देशों की है। इसके बाद सिक्किम सरकार ने जन्म दर बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए हैं। 2022 में शुरू की गई वात्सल्य योजना के तहत बांझपन जैसी समस्याओं से जूझ रहे दंपतियों को आईवीएफ जैसे महंगे उपचार के लिए 3 लाख रुपये की मदद दी गई। योजना शुरू होने के बाद 38 महिलाओं ने पंजीकरण कराया, जिससे स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य कारण भी टीआरएफ घटने में योगदान दे रहे हैं।

इतना ही नहीं सिकिम्म सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन नीति भी लागू की गई। दूसरे बच्चे पर वेतन वृद्धि, तीसरे बच्चे पर अतिरिक्त वेतन, महिला कर्मचारियों के लिए एक साल की मैटरनिटी लीव और पुरुषों को पैटरनिटी लीव दी गई। बच्चों की देखभाल के लिए अटेंडेंट की व्यवस्था की गई। निजी क्षेत्र में भी महिलाओं को दूसरे बच्चे पर 5,000 रुपये और तीसरे बच्चे पर 10,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

विश्व स्तर पर भी जन्म दर बढ़ाने की चुनौतियां आम हैं। सिंगापुर में टीआरएफ 1.0 के आसपास है, जबकि दक्षिण कोरिया में यह 0.7 तक गिर गई। इन देशों में लंबे समय से बेबी बोनस, टैक्स रिबेट, सस्ती चाइल्ड केयर और हाउसिंग इंसेंटिव जैसी नीतियां लागू हैं, लेकिन परिणाम सीमित रहे हैं। हंगरी को थोड़ी सफलता मिली है, जहां 2011 में टीआरएफ 1.23 था और सरकार ने हाउसिंग सब्सिडी, कम ब्याज पर कर्ज और चार या अधिक बच्चों वाली महिलाओं के लिए आयकर छूट जैसी नीतियां लागू कीं। 10 साल बाद टीआरएफ 1.5 तक बढ़ा, लेकिन यह भी रिप्लेसमेंट लेवल से कम है। जनसंख्या संतुलन बनाए रखने और बूढ़ी आबादी के बढ़ते बोझ को संभालने के लिए जन्मदर बढ़ाने के प्रयासों को और प्रभावी, समग्र और दीर्घकालिक रणनीतियों के साथ लागू करना होगा। इसके लिए स्वास्थ्य, वित्तीय प्रोत्साहन और सामाजिक समर्थन सभी आवश्यक हैं।

फारूक अब्दुल्ला पर हमला: सुरक्षा घेरा तोड़कर पहुंचा था हमलावर, 20 साल से बना रहा था योजना

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला बुधवार को एक भीषण हमले में बाल-बाल बच गए। जम्मू के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश स्थित होटल रॉयल पार्क में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान एक सशस्त्र हमलावर ने उन पर बेहद करीब से निशाना साधने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई और मुस्तैदी के कारण एक बड़ी अनहोनी टल गई, लेकिन इस दौरान हमलावर की बंदूक से एक राउंड फायरिंग भी हुई जिससे समारोह में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने हमलावर की पहचान 63 वर्षीय कमल सिंह जमवाल के रूप में की है, जो जम्मू के पुरानी मंडी इलाके का निवासी है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने जो खुलासे किए, वे चौंकाने वाले हैं। जमवाल ने दावा किया कि वह पिछले दो दशकों से फारूक अब्दुल्ला की हत्या की योजना बना रहा था और इसे अपना व्यक्तिगत एजेंडा बताया। आरोपी के पास से एक लोडेड पिस्तौल बरामद हुई है, जिसे उसने अपनी लाइसेंसी बंदूक बताया है। अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय आरोपी नशे में धुत था और उसने खुद को एक अज्ञात जागरण मंच का अध्यक्ष भी बताया है। यह सनसनीखेज घटना

उस समय हुई जब फारूक अब्दुल्ला और केंद्र शासित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी एक पार्टी नेता के बेटे के विवाह समारोह से वापस लौट रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि हमलावर पीछे से डॉ. अब्दुल्ला के बिल्कुल करीब पहुंच गया और उन पर बंदूक तान दी। इससे पहले कि वह घातक वार कर पाता, अब्दुल्ला की जेड प्लस सुरक्षा में तैनात क्लोज प्रोटेक्शन टीम ने फुर्ती दिखाते हुए उसे दबोच लिया। इस दौरान वहां मौजूद कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने आरोपी की जमकर धुनाई भी की। इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस चूक पर गहरा दुख और आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एक व्यक्ति जेड प्लस सुरक्षा वाले पूर्व मुख्यमंत्री के इतने करीब लोडेड पिस्तौल के साथ कैसे पहुंच गया? वहीं, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी इसे सुरक्षा में भारी लापरवाही करार देते हुए कहा कि जब पूर्व सीएम, डिप्टी सीएम और सलाहकार एक ही स्थान पर मौजूद हों, तो ऐसी घटना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। फिलहाल जम्मू पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी आतंकी संलिप्तता से इनकार किया है, लेकिन इस बात की गहराई से तफ्तीश की जा रही है कि आरोपी हथियार के साथ सुरक्षा घेरे को भेदकर अंदर दाखिल होने में कैसे कामयाब रहा।

मोनालिसा और फरमान खान की शादी पर विवाद शुरु, पति ने हर एक सवाल का दिया जवाब

मुंबई (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान रुद्राक्ष की माला बेचते हुए अपनी सादगी और खूबसूरती से रातों-रात इंटरनेट सनसनी बनीं मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी कजरारी आंखों और मुस्कान से लाखों प्रशंसकों का दिल जीतने वाली मोनालिसा ने अपने करियर की औपचारिक शुरुआत से पहले ही वैवाहिक जीवन में कदम रख दिया है। बुधवार को उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड और सह-अभिनेता फरमान खान के साथ शादी रचाई।

अपनी प्रेम कहानी का खुलासा करते हुए फरमान ने बताया कि वे दोनों एक फिल्म में साथ काम कर रहे थे, जहां से उनकी बातचीत शुरू हुई। फरमान के अनुसार, मोनालिसा ने ही उन्हें पहले प्रपोज किया था। उन्होंने कहा, हमारा प्यार महज 6 महीने पुराना है, लेकिन यह जुड़ाव 60 साल के बराबर महसूस होता है, इसलिए हमने साथ रहने का फैसला किया। शादी के बाद मोनालिसा ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें केरल और वहां के लोग बहुत पसंद आए हैं। फरमान ने यह भी संकेत दिया कि यदि

मोनालिसा को यहां का वातावरण रास आता है, तो वे केरल में ही बसने पर विचार कर सकते हैं। फिलहाल इस नवविवाहित जोड़े ने केरल के स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन को उनके कठिन समय में सहयोग करने के लिए शुक्रिया अदा किया है।

चूंकि फरमान मुस्लिम समुदाय से संबंध रखते हैं, इसलिए मोनालिसा के माता-पिता इस अंतरधार्मिक रिश्ते के सख्त खिलाफ थे। हालांकि, अपने प्यार को मुकम्मल करने के लिए मोनालिसा ने परिवार से बगावत का रास्ता चुना और घर छोड़कर शादी करने का फैसला किया। मोनालिसा और फरमान ने कानून का सहारा लेते हुए पहले केरल में सिविल मैरिज की और फिर तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध अरुमनूर नैनार मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के साथ विवाह बंधन में बंधे। इस दौरान पुलिस सुरक्षा के बीच फरमान ने मोनालिसा की मांग में सिंदूर भरा। इंटरनेट पर वायरल हो रही तस्वीरों में मोनालिसा लाल साड़ी, गले में वरमाला और मांग में सिंदूर लगाए बेहद खुश नजर आ रही हैं। इस शादी के बाद सोशल मीडिया पर एक विवाद भी खड़ा हो गया, जिसमें दावा किया गया कि मोनालिसा अभी नाबालिग हैं। इन खबरों पर लगाम लगाते हुए उनके पति फरमान खान ने सार्वजनिक रूप से मैरिज सर्टिफिकेट और आधार कार्ड दिखाते हुए स्पष्ट किया कि मोनालिसा 18 वर्ष से अधिक की हैं और पूरी तरह वयस्क हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि गलत खबरें फैलाई जा रही हैं कि वह मैच्योर नहीं हैं, जबकि कानूनी दस्तावेजों में उनकी जन्मतिथि इसका प्रमाण है।

बिहार चुनाव में बीजेपी के बटुए से निकले 146.71 करोड़... जीते सबसे ज्यादा 89 विधायक

-कांग्रेस ने 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए, जीते सिर्फ 6 विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जीतने के लिए बीजेपी ने सभी पार्टियों से ज्यादा खर्च किया है। बीजेपी ने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं कांग्रेस ने कुल 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बीजेपी ने जमा पूंजी का 2 फीसदी खर्च किया, जबकि कांग्रेस ने अपनी कुल जमा पूंजी का 28 फीसदी पैसा खर्च किया है। बीजेपी ने बीते बिहार विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार ज्यादा पैसा खर्च किया। 2020 में बीजेपी ने करीब 54 करोड़ खर्च किए थे, लेकिन इस बार 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

बिहार में बीजेपी को पैसा खर्च करने का फल भी मिला। राज्य में 89 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस ने बीजेपी की तुलना में भले ही पैसा कम खर्च किया हो, लेकिन अपनी जमा पूंजी का बहुत बड़ा हिस्सा बिहार में खर्च किया।

चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद अपने खर्च की हिसाब देती हैं। इसके तहत बिहार चुनाव में खर्च किए पैसे का लेखा-जोखा सियासी दलों ने चुनाव आयोग को दिया हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने बिहार चुनाव खर्च की रिपोर्ट 10 फरवरी को चुनाव आयोग को सौंपी है, जिसमें पार्टी ने बताया है कि उसने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं, बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कुल 35 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, तब सीपीआई (एम) ने महज 26.75 लाख रुपये खर्च किए हैं। बहुजन समाज पार्टी ने बिहार चुनाव में सिर्फ 9.01 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आरजेडी और जेडीयू सहित दूसरे दलों के खर्च का लेखा-जोखा अभी चुनाव आयोग को उपलब्ध नहीं कराया हैं।

बीजेपी ने चुनाव प्रचार के विज्ञापन पर खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा गूगल इंडिया लिमिटेड पर किया, जिसे पार्टी ने 14.27 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों पर 29.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसमें पार्टी ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद के तौर पर दिया है। कांग्रेस ने बिहार चुनाव में खर्च किए गए 35 करोड़ रुपये में से 12.83 करोड़ रुपये स्टार कैंपेनर्स की यात्रा पर दिए। इसके अलावा कांग्रेस ने सोशल मीडिया कैंपने के लिए 11.24 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा पर भी खर्च किए।

रिपोर्ट से पता चलता है कि बीते साल नवंबर में बिहार चुनाव खत्म होने पर बीजेपी का क्लोजिंग बैलेंस 7,088.58 करोड़ रुपये था। इसके मुताबिक चुनाव से पूर्व बीजेपी के पास 7235.26 करोड़ रुपये था, जिसमें से 146.71 करोड़ खर्च किया। इसके बाद 7,088.58 करोड़ रुपये बचे थे। इस तरह बीजेपी ने अपनी जमापूंजी का करीब 2 फीसदी पैसा ही बिहार चुनाव में खर्च किया है। वहीं, कांग्रेस के पास बिहार चुनाव के बाद कुल 89.13 करोड़ रुपये बचे थे। कांग्रेस ने चुनाव में 35.07 करोड़

रुपये खर्च किए हैं। इस लिहाज से कांग्रेस के चुनाव से पहले 124.2 करोड़ रुपये था, जिसमें से 35.07 करोड़ रुपये खर्च करने का मतलब साफ है कि पार्टी ने अपनी जमापूंजी का 28.23 फीसदी पैसा बिहार चुनाव में खर्च किया।

बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने सबसे ज्यादा 89 विधायक जीतने में सफल रही, जबकि कांग्रेस को महज 6 सीटें मिली हैं। बिहार चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के द्वारा खर्च किए गए पैसे को विधायकों की संख्या के लिहाज से बीजेपी को एक विधायक 1 करोड़ 64 लाख का पड़ा। वहीं कांग्रेस के सिर्फ 6 विधायक जीते हैं, इसके बाद कांग्रेस को एक विधायक 5 करोड़ 83 लाख का पड़ा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com